दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 04
अंकः-96
मुरादाबाद
26 July 2024
(Friday)
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

बेईमानी से जीते हो, मालूम है कितने बड़े तीरंदाज हो, जब राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल और संसद में भाजपा पर बरसे अखिलेश के भाई धर्मेंद्र यादव अशोक हॉल के नाम बदले, प्रियंका गांधी बोलीं- ये शहंशाह का कॉन्सेप्ट

समाजवादी पार्टी के आजमगढ़ से सांसद और अखिलेश यादव के भाई धर्मेंद्र यादव ने मोदी सरकार को खूब खरी-खोटी सुनाई। बजट 2024-25 पर चर्चा के दौरान धर्मेंद्र यादव ने कहा कि इसमें कुछ भी नहीं था और इसमें सभी वर्गों की उपेक्षा की गई है। सपा सांसद ने बजट पर बोलते हुए कहा कि सरकार ने किसानों के लिए इसमें कुछ नहीं किया है। लोकसभा में आज भी बजट को लेकर चर्चा हुई, जहां विपक्ष ने भाजपा पर जमकर हमला बोला। इस दौरान समाजवादी पार्टी के आजमगढ़ से सांसद और अखिलेश यादव

के भाई धर्मेंद्र यादव ने मोदी सरकार को खूब खरी-खोटी सुनाई।

बजट 2024-25 पर चर्चा के दौरान धर्मेंद्र यादव ने कहा कि इसमें कुछ भी नहीं था और इसमें सभी वर्गों की उपेक्षा की गई है। किसानों को समर्थन मुल्य न देने पर घेरा- सपा सांसद ने बजट पर बोलते हुए कहा कि सरकार ने किसानों के लिए इसमें कुछ नहीं किया है। उन्होंने इसी के साथ कहा कि सरकार ने एमएसपी को कानूनी गारंटी देने की बात कही थी, लेकिन अभी तक कुछ नहीं किया। ये लोग सिर्फ झूठ बोलते हैं। मालूम है कि कितने बड़े तीरंदाज हो- सांसद की ये बात सुनकर भाजपा के कुछ सांसदों ने शोर मचाया तो धर्मेंद्र यादव उन्हीं पर भड़क गए। सांसद ने कहा कि हमें पता है कि आप लोग बेईमानी से जीते हो और मालूम है कि कितने बड़े तीरंदाज हो। उन्होंने कहा कि आप लोग केवल बेईमान हो। शिक्षा का निजीकरण कर रही सरकार- सांसद धर्मेंद्र यादव ने इसी के साथ कहा कि केंद्र सरकार युवाओं, पिछड़ा वर्ग, किसानों और वंचितों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि सरकार अब शिक्षा का निजिकरण करना चाहती है। सपा सांसद ने कहा कि कुछ हद तक तो ऐसा हो चुका है और शिक्षा को प्राइवेट करके कुछ उद्योगपतियों के हाथ में थमा दिया है।

गांधी बोलीं- ये शहंशाह का कॉन्सेप्ट

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को बड़ा फैसला लेते हुए राष्ट्रपति भवन के दो महत्वपूर्ण हॉलों का नाम बदलने का आदेश दिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दरबार हॉल का नाम बदलकर गणतंत्र मंडप और अशोक हॉल का नाम बदलकर अशोक मंडप रखा है। राष्ट्रपति भवन ने दोनों हॉल के नाम बदलने को लेकर एक बयान जारी किया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को बड़ा फैसला लेते हुए राष्ट्रपति भवन के दो महत्वपूर्ण हॉलों का नाम बदल दिया। राष्ट्रपति मुर्मू ने दरबार हॉल का नाम बदलकर गणतंत्र मंडप और अशोक हॉल का नाम बदलकर अशोक मंडप रखा है। राष्ट्रपति भवन ने इसको लेकर एक बयान जारी

किया है।राष्ट्रपति भवन के दोनों हॉल के नाम बदले जाने पर कांग्रेस की वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी ने केंद्र की एनडीए सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि दरबार की कोई अवधारणा नहीं है, लेकिन शहंशाह की अवधारणा है। कांग्रेस महासचिव ने इसके बहाने सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साथा है।भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को बनाना है मकसद- राष्ट्रपति भवन सचिवालय ने बयान में कहा है कि नाम बदलने का मकसद राष्ट्रपति भवन के माहौल को %भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और लोकाचार का प्रतिबिम्ब बनाना है। राष्ट्रपति भवन राष्ट्र का प्रतीक और लोगों की अमूल्य विरासत- बयान में आगे कहा गया है कि राष्ट्रपति भवन, भारत के राष्ट्रपति का कार्यालय और निवास, राष्ट्र का प्रतीक और लोगों की अमूल्य विरासत है। इसे लोगों के लिए ज्यादा सुलभ बनाने के लिए लगातार कोशिश की जा रही है। राष्ट्रपति भवन के माहौल को भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और लोकाचारों को प्रतिबिंबित करने वाला बनाने का लगातार प्रयास किया गया है। दरबार शब्द का अर्थ अंग्रेजों के दरबार और सभाओं से- बता दें कि दरबार हॉल में राष्ट्रीय पुरस्कारों को लेकर कार्यक्रम जैसे महत्वपूर्ण समारोहों का आयोजन होता है। दरबार शब्द का अर्थ भारतीय शासकों और अंग्रेजों के दरबार और सभाओं से है। भारत के गणतंत्र बनने के बाद से दरबार शब्द की प्रासंगिकता खत्म हो गई है। गणतंत्र की अवधारणा प्राचीन काल से ही भारतीय समाज में गहराई से निहित है, इसलिए इसका गणतंत्र मंडप उपयुक्त नाम है। अशोक मंडप से अंग्रेजीकरण के निशान मिटेंगे- वहीं, अशोक शब्द का मतलब वह व्यक्ति है जो सभी दुखों से मुक्त या किसी भी दुःख से रहित हो। साथ ही अशोक सम्राट अशोक को संदर्भित करता है, जो एकता और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व का प्रतीक है। भारत गणराज्य का राष्ट्रीय प्रतीक सारनाथ से अशोक का सिंह शीर्ष है। बयान में कहा गया है कि अशोक हॉल का नाम बदलकर अशोक मंडप करने से भाषा में एकरूपता आएगी और अंग्रेजीकरण के निशान मिटेंगे।

संक्षिप्त समाचार

छलका दर्दः सीएम साहब! नौकरी दिलाइए, अंतरराष्ट्रीय एथलीट ने वीडियो जारी कर की रोजगार की मांग

चीन में हुए एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतकर तिरंगा लहराने वाली शॉटपुट खिलाड़ी किरण बालियान ने वीडियो जारी कर सीएम योगी आदित्यनाथ से रोजगार की मांग की है।चीन में हुए एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतकर तिरंगा लहराने वाली शॉटपुट खिलाड़ी किरण बालियान ने वीडियो जारी कर सीएम योगी आदित्यनाथ से रोजगार की मांग की है। रानीलक्ष्मी बाई पुरस्कार से सम्मानित खिलाड़ी का कहना है कि छह माह पहले नौकरी के लिए आवेदन किया था, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला। वीडियो में उन्होंने कहा कि वह पांच माह पहले राजस्थान में आईबी की नौकरी भी छोड़ चुकी हैं। मूलरूप से मुजफ्फरनगर जिले के पुरबालियान निवासी किरण बालियान वर्तमान में मोदीपुरम के एकता नगर में परिवार के साथ रह रही हैं। उनके पिता सतीश गाजियाबाद में हेड कांस्टेबल और मां बॉबी गृहिणी हैं। पिछले वर्ष चीन में हुए एशियाई खेलों में किरण ने देश को शॉटपुट में 72 साल बाद पदक दिलाया। वह पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी भी बनीं।किरण बालियान ने बताया कि चीन में एशियाई खेलों के समाप्त होने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी खिलाड़ियों को सम्मानित किया था उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में वह नौकरी करना चाहती हैं, इसके लिए उन्होंने आरटीओ व नायाब तहसीलदार के पद को लेकर आवेदन भी किया।

जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का सपा पर तंज, बोले- जातिवाद, परिवारवाद व मुस्लिम तुष्टीकरण वाली पार्टी

जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि सपा जातिवाद, परिवारवाद और मुस्लिम तुष्टीकरण वाली पार्टी है। बजट पर उठ रहे सवालों पर उन्होंने कहा कि यह बजट गांव, गरीब, किसान, युवाओं और महिलाओं का बजट है। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने आजमगढ़ दौरे के दौरान मीडिया से साधा। उन्होंने सपा को मुस्लिम तुष्टीकरण वाली पार्टी करार दिया। जल शक्ति मंत्री ने कहा कि जहां-जहां पानी नहीं पहुंचता था वहां आज पानी पहुंच रहा है। जहां खारा पानी था वहां पर हमें नदियों से जल उठाकर देना पड़ रहा है।सपा द्वारा बजट पर सवाल खड़े करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि सपा कोई दल है क्या? वह एक जातिवादी, परिवारवादी और मुस्लिम तुष्टीकरण वाली पार्टी है। 2017 से पहले आपने देखा होगा कि प्रदेश में गुंडागर्दी और भ्रष्टाचार चरम पर था। यह बजट गरीबों, युवाओं, महिलाओं का बजट है। यह बजट देश हित में है। कहा कि आज आजमगढ़ से चल कर कोई भी बेटी रात के 12 बजे लखनऊ जा सकती है। हाल में सीएम योगी आदित्यनाथ और डिप्टी सीएम के बयानों को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि कोई कुछ कहे इससे मतलब नहीं। सरकार और संगठन मिलकर जनता के हित के लिए कार्य कर रहे हैं।

'MVA नेताओं को फंसाने को कहा..': फडणवीस पर लगाए आरोपों पर कायम अनिल देशमुख, बोले- मेरे पास वीडियो रिकॉर्डिंग

भाजपा नेता की चेतावनी पर अनिल देशमुख ने कहा कि कल देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि उनके पास कुछ वीडियो क्लिप हैं, उनसे अनुरोध है कि उसे जगजाहिर कर दें। महाराष्ट्र में सियासी गलियारों में एक नया विवाद पैदा हो गया है। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की चेतावनी पर पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि अगर कोई उन्हें चुनौती देगा तो वह अपने आरोपों का सबूत पेश करेंगे। साथ ही उन्होंने भाजपा नेता को चुनौती देते हुए कहा कि जो भी वीडियो उनके पास हैं उन्हें जगजाहिर कर दें। हाथ में पेन ड्राइव के बारे में पूछे जाने के खिलाफ उनके आरोपों के दी गई तो मैं अपने पास मौजूद के नहीं बोलता। क्या है (शरदचंद्र पवार) के नेता 2021 में (तब विपक्ष में रहे) एक व्यक्ति ने उनसे मुलाकात मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, उनके तत्कालीन वित्त मंत्री अजित अनिल परब को फंसाने वाले किया कि उस व्यक्ति ने उनसे

से बचाने के लिए इन हलफनामों पर दस्तखत कर देना चाहिए, लेकिन उन्होंने ऐसा करने से मना कर दिया था। फडणवीस ने क्या दी थी चेतावनी?-इस पर देवेंद्र फडणवीस ने देशमुख को चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था, फूट से पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के कुछ नेताओं ने मुझे उनके बारे में कुछ ऑडियो टेप दिए हैं, जिसमें वह शरद पवार, उद्धव ठाकरे और सचिन वाजे के बारे में बात कर रहे हैं। यदि मुझ पर झूठे आरोप लगाए जाते हैं तो मेरे पास इस सबूत को सार्वजनिक करने के सिवा कोई विकल्प नहीं होगा।' भाजपा नेता ने कहा था कि देशमुख उस मामले में बरी नहीं हुए हैं, जिसमें उनपर पुलिस अधिकारियों को 100 करोड़ रुपये जुटाने का निर्देश देने का आरोप है, वह बस जमानत पर बाहर हैं। अनिल देशमुख का पलटवार- भाजपा नेता फडणवीस की चेतावनी के बाद अब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के नेता देशमुख ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा, कल मैंने देवेंद्र फडणवीस के ऊपर आरोप लगाए थे कि तीन साल पहले देवेंद्र फडणवीस ने मुझ पर केंद्र शासन के जरिए दबाव डाला था और मुझसे उस समय उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे, अजित पवार के खिलाफ झूठा आरोप लगाने के लिए कहा था। जो आरोप मैंने देवेंद्र फडणवीस पर लगाए थे कि उन्होंने मुझे झूठे आरोप में फंसाया, उसकी वीडियो रिकॉर्डिंग मेरे पास है। अगर कोई मुझे चुनौती देता है तो मैं उसका खुलासा करूंगा। उन्होंने आगे कहा, कल देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि उनके पास मेरी कुछ वीडियो क्लिप हैं, जिसमें मैंने शरद पवार और उद्धव ठाकरे के बारे में बोला है। मेरा उनसे आह्वान है कि उनके पास जो भी मेरा वीडियो है, उसे जगजाहिर करना चाहिए।

पर देशमुख ने कहा कि इसमें फडणवीस सबूत हैं। उन्होंने कहा, अगर मुझे चुनौती वीडियो जारी करूंगा। मैं बिना सबूत मामला?- राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी देशमुख ने आरोप लगाया कि साल फडणवीस द्वारा कथित रूप से भेजे गए की थी और उसके पास तत्कालीन बेटे और कैबिनेट मंत्री आदित्य ठाकरे, पवार और तत्कालीन परिवहन मंत्री कई हलफनामे थे। पूर्व मंत्री ने दावा कहा था कि उन्हें खुद को मुकदमेबाजी

शराब घोटाला: सीएम केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और के. कविता को राहत नहीं, कोर्ट ने तीनों की बढ़ाई न्यायिक हिरासत

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत को राउज एवेन्यू कोर्ट ने बढ़ा दिया है। अब इस मामले पर आठ अगस्त को सुनवाई होगी। वहीं मनीष सिसोदिया और के कविता को भी राहत नहीं मिली है।दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े सीबीआई मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने मुख्यमंत्री केजरीवाल की न्यायिक हिरासत को बढ़ा दिया है। अब आठ अगस्त को सुनवाई होगी। तिहाड़ जेल से वीडियो

कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए केजरीवाल की पेशी हुई। सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल के तिहाड़ जेल से ही गिरफ्तार किया था।सीएम केजरीवाल के अलावा पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और बीआरएस नेता के कविता की भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश हुई है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 31 जुलाई और के.कविता की भी न्यायिक हिरासत 31 जुलाई तक बढ़ा दी है।इससे पहले 12 जुलाई को अदालत ने आबकारी नीति से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत शुक्रवार को 25 जुलाई तक बढ़ा दी थी, जिसकी जांच सीबीआई द्वारा की जा रही है। केजरीवाल को विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा के समक्ष वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये पेश किया गया था। वह अपनी न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मामलों के सिलसिले में पेश हुए थे। वहीं दूसरी तरफ दिल्ली उच्च न्यायालय ने 17 जुलाई को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा दायर उस याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया, जिसमें आबकारी नीति मामले से संबंधित भ्रष्टाचार के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा उनकी गिरफ्तारी को चुनौती दी गई थी। केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी को अवैध बताया है। वहीं सीबीआई ने कहा कि पूरे साक्ष्य आने पर ही कानून के तहत गिरफ्तारी की। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने केजरीवाल की अंतरिम जमानत याचिका पर भी आदेश सुरक्षित रखा है।

संपादकीय Editorial

Margins of the Union Budget

Usually, the state's pleas or the desire for a new outfit are present in the character of the double-engine government on the threat of the Union Budget, but Himachal has again committed political sins. At least it did not feel that Himachal has handed over all its four MPs to the coalition government at the Centre. All the boasts and hopes of the budget are being served on platters by Andhra and Bihar by participating in the coalition dharma, where will we normally get that. Suddenly, the sections of the Andhra Pradesh Reorganisation Act have learned to be soaked in honey, while the legal rights of the Punjab Reorganisation are still making Himachal's economy secondary. All the arguments that were the focus of the Chief Minister's visit to Delhi and meetings before the budget have again failed. There, not only Himachal's water, Himachal's youth, but even the environment and loyalty towards the country have been completely ignored. It is a different matter that Himachal's name got embroiled in the budget disaster, when Union Finance Minister Nirmala Sitharaman assured that new provisions for the past losses will be made to rectify them. More assurances of assistance can be found, where there will be allocations in central schemes. For example, there must have been something in agriculture, tribal villages, alternative energy, housing arrangements and hundred weekly markets, but a sector like tourism is silent for Himachal in the central assurances. Obviously, Bihar's tourism is winning in the love of the alliance, otherwise the hand of the central government would have been visible on the file of Kangra airport expansion. The government is pleading for 3500 crores from the Center for land acquisition for this project, but silence has become an unbreakable obstacle. The Finance Commission is now tightening its grip on the necessary, generous and desired assistance that has been received due to the economic irony of the hill states and the useless cover of excessive forest land. As a result, the frightening figure of debt burden on Himachal is eager to touch one lakh crore. The state has been trying to become a green state for the last one year, but our steps are not reaching the neighborhood of the Center. If loans were given at cheaper rates or grants in lieu of environmental protection for the purchase of electric vehicles and setting up of charging stations, the objections of the National Green Tribunal would have been resolved. The state wants to move forward with the option of large solar power plants and rooftop solar energy, but this desire will be fulfilled only with the help of the Center. Darkness is still visible on the path of many ambitious projects that emerged from Jagat Prakash Nadda's department and Anurag Thakur's promotion. Especially the drums of the Una-Hamirpur rail project are sad this time too, like all the budgets so far. In fact, advocates for the need for an independent mountain development ministry to correctly evaluate the geographical and economic condition of the mountain states at the national level did not emerge and we kept drowning in the sea of ????illusion even after being on the shore of politics. It is said that we have a heart-to-heart relationship with the Prime Ministers, but our dreams never came true except once with Atal Bihari Vajpayee, the actor of industrial package. Himachal could have healed its economic wounds with a connectivity or tourism package, but this time there is no hope. It is a different matter that the middle class of Himachal finds some solace in the new formula of income tax or the educated unemployed become beneficiaries after seeing.

Analysis: Budget lays a strong foundation for five years, will also form the basis for relief as well as incentives

This budget lays a solid foundation for the next five years in line with the vision of Prime Minister Narendra Modi. It provides relief and incentives in various sectors, with special focus on employment generation, urban development and women's welfare. The budget for the year 2024 has been highly anticipated, especially after Prime Minister Modi's announcement that the last decade was only a prelude or 'trailer' for the transformational changes expected in the coming five years. This budget is structured around nine key sectors, with a special emphasis on employment generation, which remains the top priority for the government. The government has been quite clear in its priority to create 'good paying jobs', setting an ambitious target of providing employment and skill training to 4.1 crore youth. In this regard, the increased budget allocation for education is a strategic move with far-reaching implications. On the other hand, the focus on agricultural research aims to increase productivity, reflecting a forward-thinking approach. Another notable initiative is the employment-linked incentive program, where the government will cover the employer's share in the provident fund and the first month's salary for new employees registered with the EPFO, up to Rs 15,000. Additionally, several schemes have been launched aimed at boosting employment in the manufacturing sector, underlining the government's commitment to the sector. The increased budget allocation for women in the workforce and a three percent discount on education loan interest rates are commendable steps towards inclusive growth. In addition, the government has launched an internship program aimed at providing residential and professional experience to one crore Indian youth in top 500 companies, to reduce the gap between education and employment. The budget has given special attention to the states of Andhra Pradesh and Bihar, which was natural as they are trusted allies in politics. For Bihar, the focus on flood irrigation and flood management in the Koshi river basin is an important step. Micro, Small and Medium Enterprises (MSMEs) are undoubtedly the backbone of the Indian economy. Measures such as enhancing the Budget Credit Guarantee Scheme and increasing the Mudra loan limit to Rs 20 lakh are expected to provide the necessary financial support to MSMEs, boost entrepreneurship and innovation. Urban development has been identified as a priority area in the Budget, with substantial investments of Rs 10 lakh crore proposed for water supply, sanitation and transport. With a number of reforms proposed, the government has focused on the development of urban infrastructure, which is essential for sustainable development and improving quality of life, as India's future depends on urban areas. Energy transition has also been given a prominent place in the Budget, with the launch of a solar rooftop policy. Additionally, a significant allocation of Rs 1 lakh crore has been made for funding research in universities, involving the private sector, underlining the importance of innovation. The budget outlines next-generation reforms in employment, land matters and the financial sector aimed at enhancing ease of doing business and attracting foreign direct investment (FDI). Budget receipts have increased to Rs 32.07 lakh crore, while the fiscal deficit, which was 5.1 per cent in the interim budget, has come down to 4.9 per cent. This reduction has come mainly due to the increase in GDP, higher receipts and lower expenditure. The actual accounts of 2023-24 show that the fiscal deficit has come down to 5.6 per cent as compared to 5.8 per cent set in the revised budget. The budget brings many changes in direct and indirect tax. Although the simplification of indirect taxes, especially GST, is a positive step. But many issues like tax cuts and increase in excise duty still remain. The increase in capital gains tax has raised concerns for listed investors in the stock market. The long-term capital gains tax on listed financial assets has been increased from 10 per cent to 12.5 per cent, while the tax on short-term gains has been increased from 15 per cent to 20 per cent. The government has bridged the gap between the two by keeping the long-term capital gains tax rate the same at 12.50 per cent for both listed and unlisted securities. This is a major reduction in the rate for unlisted securities, which will boost capital inflows into start-ups. Reducing the tax on gold and silver to six per cent will not only reduce their smuggling but will also boost value addition and exports. Apart from this, the removal of angel tax has also given a big relief to start-ups. In terms of personal taxation, the budget has disappointed many. While some tax relief has been given with a gross deduction of Rs 17,500 per person, maintaining six slabs of the tax structure is perhaps unnecessarily complex. A three-slab structure would have been simpler. Another important aspect of the budget is the focus on dispute resolution. The introduction of the Vivaad se Vishwas scheme aims to resolve some pending income tax disputes. The monetary limit for filing appeals relating to direct tax, excise duty and service tax has been increased, but it would have been more effective if there was a better understanding of the High Court decisions.The limit for the Supreme Court to take legal action would have been raised to at least Rs 50 crore. Overall, this budget lays a solid foundation for the next five years in line with Prime Minister Modi's vision. It provides relief and stimulus across various sectors, with a special focus on job creation, urban development and women's welfare. However, the budget fails to address the needs of the middle class, which bears a persistent tax burden. The increase in capital gains tax may also undermine the equity culture, which is crucial for long-term economic growth.

Bangladesh: Sheikh Hasina will have to control extreme corruption and massive unemployment, only then will she be able to give a new message

Whenever there is a movement in Bangladesh, BNP, Jamaat-e-Islami and other fundamentalist groups try to take full advantage of it. Prime Minister Sheikh Hasina will have to control extreme corruption and massive unemployment, so that under the cover of these, fundamentalist forces do not succeed in their plans. Bangladesh has once again come back from the brink of crisis, helped by the court's decision, which has drastically reduced the reservation quota in educational institutions and jobs for the descendants of those who fought in the Liberation War with Pakistan in 1971. The court has reduced the quota of freedom fighters from 30 percent to five percent, while retaining the two percent quota for ethnic minorities and keeping 93 percent seats open for merit-based selection. The apex court has not completely abolished the reservation, but has canceled the lower court's decision, which had triggered large-scale protests. The apex court's decision has saved the reputation of both the Sheikh Hasina government and the agitating students. But a lot will depend on how the Hasina government, which completely failed to assess the seriousness of the protests, handles the situation in the aftermath. This is only the beginning of a long process, while the deeper causes like corruption at all levels and unemployment among the youth still remain. The agitation was also fuelled by Hasina's statement that "if not for freedom fighters, should there be reservation for Razakars?" Her statement was a part of her political offensive against Islamists who continue to challenge her from within and outside. 'Razakars' are groups used by Pakistani authorities against the interests of Bangladesh in 1971. This inflamed the agitators, who deny affiliation with any political party. But Bangladesh has a long history of agitations by Islamist radicals, allegedly encouraged from outside, hijacking any protest and the current protests are no exception. The protesting students consider this system of reservation discriminatory and demand recruitment on the basis of merit. This is Bangladesh's worst crisis since independence, with an estimated 100 to 130 deaths (critics claim the actual number is higher). The movement lasted for several weeks. The movement can be seen in the role of former Prime Minister Khaleda Zia of the Bangladesh Nationalist Party (BNP), Jamaat-e Islami and other socially powerful Islamic fundamentalist groups. Hasina, in power for more than fifteen years continuously, is the world's longest-serving female leader, who rules virtually unilaterally and has been accused of dictatorship. She also has to deal with a growing middle class, strengthened by her government's economic progress, which is ambitious and wants jobs and a better life. The liberation movement is the emotional lifeline of Bangladeshis, but a large section of the population did not participate in it. The third generation of this class considers the reservation given to freedom fighters and their third-fourth generations as unnecessary, and is angry at the privileges being given to some people at their expense. Movements are not new in this South Asian nation with a population of 17 crores, the intensity of last week's protests has not been seen before. Although Bangladesh is one of the fastest growing economies since Sheikh Hasina returned to power in 2009, it has not created enough jobs like other developing countries. It was struggling with recession due to the COVID-19 pandemic, when the Ukraine war led to a huge increase in oil prices. According to an estimate, 1.8 crore Bangladeshi youth are looking for employment. The unemployment rate is higher among the highly educated youth than among the less educated. This crisis also reflects the state of social change in the country. Previous movements were led by government universities, but this time there was equal participation of private universities, where children of wealthy families study. This crisis also worried Bangladesh's neighboring countries. In fact, the movement started brewing only after Hasina visited India twice recently. India, which is friendly towards the Hasina government, has called it an internal matter of Bangladesh, while India's northeastern states sharing border with Bangladesh helped Nepali, Bhutanese and students of other nationalities to leave. More than 600 trucks are stranded on both sides of the 4,300-km border, affecting trade and human movement. Despite having a strong hold on the legislature and the executive, Hasina was dependent on the judiciary for help. Her biggest challenge is corruption at every level, due to which she is criticized not only in the country but also abroad. Critics say that corruption has been rampant in the way Bangladesh has been governed since its birth, which is benefited not only by those around the power center but also by the administration and the growing business class. Last week, Hasina said that she is taking action against corruption and it is a very old problem. She had called one of her domestic helpers (Chapar) to jail.

बारिश से मुरादाबाद में पटरियां डूबीं... सिग्नल ठप, झांसी में ट्रेनें रुकीं; तीन भाई समेत 5 की मौत

झमाझम बारिश से मुरादाबाद और झांसी में रेल यातायात प्रभावित हो गया। मुरादाबाद में रेलवे यार्ड में पानी भर जाने से ट्रेनों का संचालन ठप हो गया। पटरियां जलमग्न होने से ट्रैक प्वाइंट व सिग्नल ने काम करना बंद कर दिया। इससे 36 ट्रेनें चार घंटे तक रास्ते में खड़ी रहीं। चार पैसेंजर ट्रेनों को निरस्त करना पड़ा। अनुमान है कि इन स्थितियों के बीच करीब 30 हजार यात्री परेशान हुए। कुछ ट्रेनों ने

रामपुर-मुरादाबाद के बीच करीब 27 किमी की दूरी लगभग तीन घंटे में तय की। उधर, झांसी-बीना रेलमार्ग भी चार घंटे प्रभावित रहा। धौरा रेलखंड में ट्रैक पर पानी भरने से 16 पैसेंजर और छह मालगाड़ी बाधित रहीं। ललितपुर की शहजाद, उटारी, जामनी और सजनाम नदियों का जलस्तर बढ़ गया। ललितपुर में कक्षा एक से आठ तक के सभी स्कूल आज बंद हैं।गोविंद सागर बांध, उटारी, भौंरट, कचनौंदा, भावनी बांधों में जलस्तर बढ़ने से उनके गेट खोल दिए गए। इससे निचले क्षेत्रों में बसे गांवों में बाढ़ जैसे हालत हो गए हैं।तीन भाइयों समेत पांच लोगों की डूबने से मौत- बिजनौर जनपद के अफजलगढ़ थानाक्षेत्र में गांव रफैतपुर में एक किसान के खेत से मजदूरी कर वापस लौट रहे तीन सगे भाई पीली नदी में डूब गए। ओमप्रकाश सिंह (40), तेजपाल (25) और जयसिंह (21) के शव करीब 8 घंटे बाद 150 मीटर दूर चामुंडा के पास मिले। ललितपुर में एक छात्र और झांसी में एक युवक की नाले में डूबने से मौत हो गई। प्रदेश के कई जिलों में आज अच्छी बारिश के आसार- मानसून का मिजाज जुलाई में मौसम विशेषज्ञों के पूर्वानुमान से उलट साबित हो रहा है। धान की रोपाई के लिए अच्छी बारिश की उम्मीद

लगाए किसानों को हल्की और सिंह के मुताबिक कौशांबी, ऑरेंज अलर्ट- भारी बारिश की चंदौली, अलीगढ़, में मध्यम से भारी कौशांबी, आजमगढ़, सहारनपुर, शामली में सर्वाधिक 46 फुरसतगंज में 11 में प्रयागराज में दर्ज हुआ। वहीं रात छिटपुट बारिश के बीच वैकल्पिक उपाय करने पड़े। वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार बृहस्पतिवार को प्रदेश के दक्षिणी इलाकों प्रयागराज, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, चित्रकूट आदि में अच्छी बारिश के आसार हैं।इन इलाकों में है भारी बारिश का मौसम विभाग ने महोबा, झांसी, ललितपुर और आसपास इलाकों में भारी से बहुत संभावना जताई है। वहीं बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, सोनभद्र, मिर्जापुर, मथुरा, हाथरस आगरा, फिरोजाबाद, इटावा, औरैया, जालौन, हमीरपुर आदि इलाकों बारिश की संभावना है।इन इलाकों में है वज्रपात की चेतावनी- बांदा, चित्रकूट, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, फरूखाबाद, कन्नौज, कानपुर, उन्नाव, लखनऊ, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, आदि में गरज के साथ बज्रपात की चेतावनी जारी किया गया है।बुधवार को शाहजहांपुर मिमी. बारिश दर्ज की गई। वहीं झांसी में 40.2 मिमी. , आगरा में 13.4 मिमी. , मिमी. बारिश दर्ज हुई। दिन के अधिकतम तापमान की बात करें तो बुधवार को प्रदेश सर्वाधिक 37.7 डिग्री, वाराणसी में 37.2 डिग्री और कानपुर में 36.1 डिग्री सेल्सियस में मेरठ में सबसे कम 23.8 डिग्री सेल्सियस, बस्ती में 25 डिग्री और मुजफ्फरनगर में 25.1 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा।

12 गांवों के प्रधान और सचिवों के खिलाफ गबन की जांच शुरू, सरकारी धन वसूलने के साथ कार्रवाई भी होगी

मुरादाबाद -ग्राम पंचायत के खातों से सरकारी धन का हिसाब नहीं मिलने पर 12 से अधिक प्रधान और सचिव की जांच शुरू हो गई है। सीडीओ की टीम 18 बिंदुओं पर जांच कर रही है। अधिकारियों ने कहा कि सरकारी धन वसूलने के साथ कार्रवाई भी होगी। ग्राम पंचायत के खातों से सरकारी धन निकालने और उसका हिसाब नहीं मिलने पर 12 से अधिक गांवों के प्रधान और सचिव की जांच शुरू हो गई है। सीडीओ के नेतृत्व में एक टीम 18 बिंदुओं पर जांच कर रही है। जांच रिपोर्ट विधानसभा की उच्च समिति को सौंपी जाएगी।डीपीआरओ वाचस्पति झा ने बताया कि विधानसभा की उच्च समिति के समक्ष पेश हुए थे। समिति के समक्ष उन्होंने 2016-17 के पंचायत के खातों से विकास कार्यों के एवज में हुए सरकारी धन के लेनदेन मामले की ऑडिट रिपोर्ट को प्रस्तुत किया।इस मामले में समिति ने सात बिंदुओं पर सहमति जताई लेकिन 18 अन्य बिंदुओं पर सीडीओ के नेतृत्व में समिति गठित कर जांच करने के निर्देश दिए। आरोप है कि 18 बिंदुओं पर ऑडिट टीम ने आपत्ति लगाई थी। इस मामले में सीडीओ ने जांच के लिए एक समिति गठित की है।इसमें जिला लेखा पंचायत अधिकारी और डीपीआरओ भी शामिल हैं। जिला स्तरीय समिति अपनी जांच रिपोर्ट विधानसभा की उच्च समिति को सौंपेगी। डीपीआरओ का कहना है कि जांच के दायरे में करीब एक दर्जन ग्राम पंचायतों के खाते आएंगे। अभी जिला स्तरीय समिति की बैठक नहीं हुई है। पंचायत खाते से निकाली धनराशि, नहीं दिखाए बाउचर- ग्राम पंचायत के खाते से निकाली गई धनराशि खर्च करने के बाउचर न दिखाने और डीपीआरओ कार्यालय से जारी नोटिस का जवाब न देने पर दो पूर्व प्रधान और दो पूर्व सचिव सरकारी धनराशि का गबन के आरोप में फंस गए हैं। डीएम ने चारों से सरकारी धनराशि वसूलने के आदेश दिए है। ब्लॉक कार्यालय के अनुसार जिला लेखा परीक्षा अधिकारी पंचायत के वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2016-17 में ग्राम पंचायत मनकूला के लंबित ऑडिट में 29,075 रुपये की राशि के खर्च के बाउचर तत्कालीन प्रधान व सचिव ने ऑडिट टीम को उपलब्ध नहीं कराए है। राशि की कैस बुक में एंट्री भी नहीं मिली। डीएम ने मनकूला की पूर्व प्रधान कमला देवी से 14,537 रुपये व गांव के तत्कालीन सचिव श्याम सिंह गौतम से 14,537 रुपये वसूलने के आदेश दिए हैं। उधर, दूसरा मामला ग्राम पंचायत अटवा चेंचरी का है। डीएम ने पूर्व प्रधान से 48,600 रुपये व तत्कालीन सचिव से 48,600 रुपये वसूले जाने के आदेश दिए हैं।

आखिरकार वह कौन था: परिवार वाले शव दफनाने जा रहे थे.... तभी सामने आ गया बेटा सरफराज, देखकर उड़ गए सबके होश

मुरादाबाद -मुरादाबाद में चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां लापता हुए एक युवक के परिजन नदी में मिले शव को दफनाने जा रहे थे। इस बीच वह सकुशल घर पहुंच गया। उसे देखकर लोग सन्न रह गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया। अब मामले की जांच हो रही है कि वह शव किसका था। छजलैट के खुशहालपुर गांव में चौंकाने वाला मामला सामने आया। एक दिन पहले लापता हुए सरफराज उर्फ नन्हे के परिजन और ग्रामीण करूला नदी में मिले शव को उसका समझकर दफनाने जा रहे थे। इसी दौरान सरफराज घर लौट आया। उसे देखकर परिजन खुशियां मनाने लगे।मामले की जानकारी मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में ले लिया। साथ ही सरफराज व उसके परिजनों से पूछताछ की। छजलैट थाना क्षेत्र के खुशहालपुर निवासी सरफराज उर्फ नन्हे (35) का मंगलवार को पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था।इसके बाद सरफराज नाराज होकर घर से कहीं निकल गया। देर रात तक परिजन और ग्रामीण उसकी तलाश करते रहे, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। बुधवार सुबह परिजन और ग्रामीण फिर तलाश में जुट गए। इसी दौरान गांव से करीब 700 मीटर दूर अमरोहा जनपद के सिहाली नारायणपुर गांव के पास करूला नदी में पुल के पास एक युवक का शव पड़ा दिखाई दिया। जानकारी मिलने पर सरफराज के परिजन भी पहुंच गए। उन्होंने अंगोछे और कपड़ों से शव की पहचान सरफराज के रूप में कर ली और शव को उठाकर घर ले आए। परिजन शव दफनाने जा रहे थे तभी सरफराज घर पहुंच गया। उसे सही सलामत देखकर परिजन व ग्रामीण हैरान रह गए। मामले की जानकारी मिलने पर छजलैट थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने परिजनों से लिखित में लिया कि सरफराज जिंदा है। वह अपनी पत्नी से नाराज होकर कहीं चला गया था। इसके बाद पुलिस ने नदी में मिले शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की नहीं हो पाई शिनाख्त- सरफराज उर्फ नन्हे के घर लौटने के बाद नदी में मिले शव की पहचान कराने में पुलिस दोबारा जुट गई। पुलिस ने आसपास के जनपदों में सूचना भेजने के साथ ही सोशल मीडिया पर भी मृतक के फोटो शेयर किए हैं,

मेकअप इंस्टीट्यूट में धर्मांतरण मुहिम.. कलावा व मंगलसूत्र पहनने पर उत्पीड़न, छात्राओं ने किए खुलासे

मुरादाबाद -मुरादाबाद की मेकअप इंस्टीट्यूट संचालिका पर धर्मांतरण की मुहिम चलाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने छात्राओं की शिकायत के आधार पर तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इस मामले में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा काटते हुए कार्रवाई की मांग की थी। मुरादाबाद के कांठ रोड स्थित मेकअप इंस्टीट्यूट में धर्मांतरण की मुहिम चलाने और असली की जगह नकली प्रोडक्ट इस्तेमाल करने के आरोप में पुलिस ने इंस्टीट्यूट की डायरेक्टर रक्षनंदा खान, उसके पति शाहनवाज और एक अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया है ।सिविल लाइंस पुलिस ने इंस्टीट्यूट को सील कर मामले की जांच शुरू कर दी है। इंस्टीट्यूट में ट्रेनिंग लेने वाली तान्या

चौधरी, स्वाति पाल, जतिन कुमार सैनी की तहरीर पर सिविल लाइंस थाने में केस दर्ज किया गया है। छात्र-छात्राओं ने बताया कि मेकअप इंस्टीट्यूट में वे मेकअप, हेयर ड्रेसिंग समेत अन्य कोर्स कर रहे हैं।इंस्टीट्यूट में एडमिशन लेते समय उन्हें बताया गया था कि यहां मीट-मछली का सेवन नहीं किया जाता है, लेकिन में मीट खाया जा रहा है। इसके अलावा कलावा, सिंदूर, मंगलसूत्र पहनकर जाने पर उत्पीड़न किया जाता है। इंस्टीट्यूट के अंदर नमाज भी पढ़ी जाती है। छात्र-छात्राओं ने इंस्टीट्यूट की डायरेक्टर पर आरोप लगाया कि वह हिंदू छात्राओं पर मुस्लिम लड़कों के साथ रहने का दबाव बनाती है। कहती है कि वह भी पहले हिंदू थी, लेकिन अब वह मुस्लिम हो गई और मुस्लिम परिवार में रहती है।इन सब का विरोध करने पर छात्र-छात्राओं को बीच में ही निकाल दिया जाता है। उनकी फीस भी वापस नहीं की जाती है। आरोप है कि इंस्टीट्यूट में असली की जगह नकली प्रोडक्ट इस्तेमाल किए जाते हैं। छात्रा तान्या का कहना है कि नकली प्रोडक्ट के कारण उसके चेहरे पर एलर्जी हो गई। सीओ सिविल लाइंस अर्पित कपूर ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया गया है। विवेचना में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी आधार पर कार्रवाई की जाएगी। बजरंग दल के कार्यकओं का प्रदर्शन, पुतला फूंका- कांठ रोड स्थित एक मेकअप अकादमी की संचालिका पर छात्रों ने उत्पीड़न के मामले में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कार्यकर्ता धरने पर बैठ गए। प्रदर्शन करते हुए उन्होंने मेकअप अकादमी संचालिका का पुतला फूंका। पुलिस के समझाने के बाद उन्होंने धरना समाप्त किया।कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी से मामले में आरोपी मेकअप अकादमी की संचालिका के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। बजरंग दल के पदाधिकारियों ने बताया कि कांठ रोड हरथला पुलिस चौकी के पास मेकअप अकादमी है। इसमें मेकअप, हेयर और स्किन संबंधी कार्य सिखाया जाता है। विद्यार्थियों ने संचालिका पर भेदभाव करने, मानसिक रूप से प्रताड़ित करने, जबरदस्ती रिव्यू डालने, फीस जमा करने के बाद भी प्रैक्टिकल न कराने सहित अन्य गंभीर आरोप लगाए थे। मामले की जानकारी होने पर मंगलवार दोपहर बड़ी संख्या में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कार्यकर्ता अकादमी पर पहुंच गए।उन्होंने प्रदर्शन करते हुए धरना शुरू कर दिया और पुतला फूंका। कार्यकर्ता अकादमी और संचालिका के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। मौके पर पहुंचे सीओ सिविल लाइंस अर्पित कपूर ने समझा-बुझाकर कार्यकर्ताओं को शांत करायापदाधिकारियों ने जिलाधिकारी से अकादमी संचालिका पर मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार करने, अकादमी का पंजीकरण निरस्त कर उसे सील करने, अकादमी के विद्यार्थियों की फीस वापस करवाने की मांग की। महानगर संयोजक बजरंग दल अभिनव भटनागर का कहना है कि यदि मांगें पूरी नहीं की गईं तो संगठन की ओर से आंदोलन किया जाएगा। इसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस दौरान रोहित मदान, मिलन कश्यप, चंदन सैनी आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

घर में घुसकर युवक को मार दी गोली, लहूलुहान देख परिजन रह गए सन्न, पुलिस रंजिश मान कर रही जांच

कुंदरकी में रंजिश के चलते एक पक्ष ने दूसरे पर फायरिंग कर दी। इसमें एक युवक जख्मी हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कुंदरकी में युवकों के बीच चली आ रही रंजिश अब

जानलेवा बनती जा रही हैं। बुधवार रात कुछ युवकों ने घर में घुसकर एक युवक को गोली मार दी और फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई।पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार, थाना प्रभारी राजीव शर्मा, और चौकी इंचार्ज अनिल कुमार मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने भी पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। पीड़ित की मां की शिकायत पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।नगर के मुहल्ला नुरुल्ला निवासी शब्बन पत्नी रहमत ने बताया कि परिवार में उनके बेटे सुहैल, जुबैर, उवैश, और बेटियां मन्तशा व सोफिया हैं। आरोप है कि कस्बे के ही नसीम नंबरदार, तसलीम, आजम और फैशल रात 12 बजे उनके घर पर आए। परिजनों ने बताया कि सभी सदस्य छत पर सो रहे थे, जबकि छोटा पुत्र उवैश नीचे कमरे में सो रहा था। चारों युवकों ने दरवाजा खटखटाया। जैसे ही दरवाजा खोला उन्होंने तमंचे से फायर कर दिया। एक गोली उवैश की बाह में लगी जबकि दूसरा फायर विफल हो गया। इसके बाद आरोपी फरार हो गए। गोलीबारी की सूचना मिलने पर पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। तुरंत ही युवक को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे मुरादाबाद रेफर कर दिया गया।

किशोरी का जबरन धर्म परिवर्तन, युवक से कराया निकाह, आरोपियों ने परिजनों ने दे डाली धमकी

मुरादाबाद में किशोरी का धर्म परिवर्तन कराकर उसकी शादी करवा दी गई। पुलिस ने आरोपी और उसके भाई के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी और किशोरी की तलाश कर रही है।मझोला थाना क्षेत्र में 16 वर्षीय किशोरी को अगवा कर उसका धर्म परिवर्तन करा दिया गया। इसके बाद किशोरी का एक युवक से निकाह भी करा दिया। पुलिस ने इस मामले में आरोपी युवक और उसके भाइयों खिलाफ केस दर्ज किया है।पुलिस किशोरी की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी में जुटी है। किशोरी की मां ने मझोला थाने में केस दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी बेटी कक्षा नौ में पढ़ती है। 21 जुलाई को वह घर से गायब हो गई। काफी तलाश के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं लगा।बाद में उसे पता चला कि राजा बाबू अपने भाई मेहरबान अली, शमशेर अली निवासी रेलवे हरथला कॉलोनी की मदद से उसकी बेटी को अगवा कर ले गया है। महिला ने आरोपियों के घर बेटी के बारे में पूछने गई तो आरोपी उसे धमकी देने लगे कि अगर केस दर्ज कराया तुम्हारे बेटे की हत्या कर देंगे। हमने किशोरी का धर्म परिवर्तन कराकर राजा बाबू से उसका निकाह करा दिया है। अब उसकी तलाश बंद कर दो। सीओ सिविल लाइंस अर्पित कपूर ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया गया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

अभद्र टिप्पणी करने में अधिवक्ता पर रिपोर्ट दर्ज- मझोला थाना क्षेत्र में रहने वाले एक अधिवक्ता ने चंदौसी निवासी अधिवक्ता पर भगवान श्रीराम पर अभद्र टिप्पणी करने के आरोप में केस दर्ज कराया है। बुद्धि विहार निवासी अधिवक्ता विजेंद्र सिंह ने मझोला थाने में दर्ज कराए केस में बताया कि 19 अप्रैल 2024 को वह अपने साथी शरद वर्मा, सुरेश पाल, अरविंद मोहन के साथ रात में टहल रहे थे। इसी बीच उसके फोन पर बदायूं के शिवपुरी निवासी नीरेश अरुण की कॉल आई। नीरेश अरुण चंदौसी में रहते हैं और वहीं कचहरी में प्रैक्टिस करते है। विजेंद्र सिंह का कहना है कि उन्होंने फोन पर राम-राम कहा तो नीरेश अरुण भड़क गए और गाली-गलौज करते हुए भगवान श्रीराम पर अभद्र टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि मैं केवल बाबा साहब को मानता हूं। इसलिए मैं जय भीम कहता हूं। विजेंद्र सिंह ने कहा कि उनके मोबाइल में कॉल रिकॉर्डिंग है। मझोला थाना प्रभारी केके वर्मा ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

विद्यालयों में शिक्षा सप्ताह अंतर्गत टीएलएम, एफएलएन, खेल एवं सांस्कृतिक दिवस कार्यक्रम किया गया आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग के तत्वाधान में कलेक्टर एवं जिला मिशन संचालक श्री रोहित व्यास तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं जिला परियोजना संचालक समग्र शिक्षा श्रीमती

कमलेश नन्दिनी साहू के निर्देशानुसार, जिला शिक्षा अधिकारी, रामललित पटेल एवं जिला मिशन समन्वयक, शशिकांत सिंह के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के चार वर्ष पूरे होने के अवसर पर शिक्षा सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत जिले के सभी शासकीय, अनुदान प्राप्त एवं निजी विद्यालयों में दिनांक 22 जुलाई 2024 से 28 जुलाई 2024 तक शिक्षा सप्ताह का आयोजन करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मूल भावना को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। इसके लिए जिले के समस्त शालाओं में दिवसवार गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम अंतर्गत सोमवार को प्रथम दिवस -TLM दिवस - शिक्षकों को स्थानीय सामग्री के प्रदर्शन एवं कक्षा में इनके उपयोग हेतु प्रोत्साहित करने का गतिविधियां, मंगलवार, द्वितीय दिवस - FLN दिवस - FLN के क्रियान्वयन हेतु सभी हितधारकों के मध्य जागरूकता विकसित करने का कार्य, बुधवार, तृतीय दिवस - खेल दिवस - खेल और फिटनेस के महत्व हेतु प्रतियोगिताओं का आयोजन तथा गुरूवार, चतुर्थ दिवस - सांस्कृतिक दिवस - विद्यार्थियों में विविधता में एकता की भावना विकसित करने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम कराया गया। कार्यक्रम में बच्चे, शिक्षक, पालक, जन समुदाय एवं जन प्रतिनिधियों का सहयोग प्राप्त हो रहा है। आगामी दिवसवार 26 जुलाई शुक्रवार, पांचवां दिवस - कौशल एवं डिजिटल पहल दिवस - विभिन्न कौशलों को बढ़ावा देना, सिखने में डिजिटल पहल को प्रोत्साहित करने का कार्य किया जाना है। 27 जुलाई शनिवार, छठवां दिवस - मिशन लाईफ/ईको क्लब दिवस - स्कूलों में ईको क्लब का गठन, एक पेंड़ मा के नाम का आयोजन स्कूलों में वृक्षारोपण का कार्य किया जाना है तथा 28 जुलाई रविवार, सप्तम दिवस - सामुदायिक भागीदारी दिवस - स्थानिय समुदाय, जन-प्रतिनिधि, पालक, एसएमसी, पीटीए, पंचायती राज्य संस्थाओं से मिलकर अधिकतम भागीदारी तथा न्योता भोज का आयोजन किया जाना है, जिसमें पालक, जन समुदाय एवं जन प्रतिनिधियों से अपील है आगामी कार्यक्रमों में भी अपनी सहभागीता देते हुये बच्चो का उत्साह वर्धन कर कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करेंगे।

ग्राम पंचायत सपहा में रोड पुलिया ना होने के कारण मरीजो को लेकर आना पड़ता है चारपाई से इलाज के लिए

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- सूरजपुर जिले के दूर क्षेत्र चांदनी बिहार पुर के ग्राम पंचायत सपहा में पटेल पारा बस्ती में जाने के लिए ना रोड है ना पुलिया जिस कारण सपहा पंचायत के पटेल पारा बस्ती वालों को मूलभूत सुविधा की अभाव से काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है ताजा मामला आज का आया है 45 वर्षीय महिला फूलमती पाल पति सुग्रीम पाल कल अचानक

तबीयत खराब हो गया उल्टी दस्त से बेहोश हो गई इसके बाद उनके परिजनों ने चारपाई से घर से लगभग 2 किलोमीटर दूर तक मेन रोड तक कंधा से लाए इसके बाद काफी देर हो जाने के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिहरपुर से 108 एंबुलेंस पहुंची तो मरीज को अस्पताल पहुंचाया कुछ देर बाद पीड़ित महिला होश में आई उसका इलाज जारी है ग्राम पंचायत सपहा के पटेलपारा के ग्रामीणों ने बताया कि पटेल पारा बस्ती में जाने के लिए रोड भी नहीं है और न पुल भी नहीं है इस कारण उसे मोहल्ले के ग्रामीण बीमार होते हैं तो चारपाई से ही मेन रोड तक लाना लेजाना करते हैं जबकि ग्रामीण ने बताया कि इसकी जानकारी ग्राम पंचायत सरपंच सचिव को कई बार ग्राम सभा में बोले भी हैं लेकिन सरपंच सचिव के द्वारा सिर्फ यही आश्वासन दिया जाता है कि इस महीना में रोड बन जाएगा पुल बन जाएगा कहते कहते कई वर्षों तक बिता दिए लेकिन रोड पुल नहीं बन पाया

मिशन वात्सल्य के तहत बाल अधिकारों के प्रति किया जा रहा जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- कलेक्टर श्री रोहित व्यास के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के मार्गदर्शन में जिले में सड़क एवं सड़क जैसी परिस्थितियों में निवासरत बच्चों एवं मादक पदार्थो का सेवन करने वाले बच्चों की पहचान हेतु सर्वेक्षण, रेस्क्यू एवं पुनर्वास हेतु विशेष सघन अभियान दिनांक 15 जुलाई से 14 अगस्त तक कार्ययोजनानुसार संचालित किया जा रहा है। इस योजना के तहत छ0ग0शासन की बाल सक्षम नीति अंतर्गत सर्वेक्षण कार्य करते हुए जिला बाल संरक्षण अधिकारी के नेतृत्व में मिशन वात्सल्य के तहत

जिले के विकासखण्ड मुख्यालयों के शासकीय महाविद्यालय में बालक एवं बालिकाओं को बाल अधिकार एवं संरक्षण के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। विकासखंड रामानुजनगर के शासकीय महाविद्यालय में कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य श्री आर.के.साहू द्वारा किया गया। जिला बाल संरक्षण इकाई से संरक्षण अधिकारी श्री अखिलेश कुमार सिंह के द्वारा बाल अधिकार एवं संरक्षण, किशोर न्याय अधिनियम 2015, दत्तक ग्रहण, बाल सक्षम नीति, बाल विवाह रोकथाम, एक युद्ध नशे के विरूद्ध, नशा मुक्ति जैसे गंभीर मुद्दों पर परिचर्चा एवं जागरूकता कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में बालिकाओ के शिक्षा एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने, साथ ही बच्चों की सुरक्षा एवं संरक्षण के संबंध में जानकारी दी गई। बालिकाओं को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत महिला बाल विकास के विभिन्न योजनाएं जैसे सुकन्या समृद्धि योजना, नोनो सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से अवगत कराया गया। बच्चों के अधिकार एवं शोषण के संबंध में उन्हें चाइल्ड टोल फ्री नंबर से अवगत कराते हुए, इस पर बच्चों से संबंधित विभिन्न मुद्दों जैसे बाल श्रम, बाल भिक्षावित, बाल विवाह की सूचना प्रदान करने एवं इससे होने वाले दुष्प्रभाव से अवगत कराया गया। साथ ही बालिकाओं को, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012, पॉक्सो एक्ट के तहत जानकारी प्रदान की गई । जागरूकता कार्यक्रम जिले के अन्य शासकीय महाविद्यालय में भी किया जावेगा। इस कार्यक्रम में श्रम विभाग के अधिकारियों द्वारा उपस्थित छात्र/छात्राओं को विभिन्न योजनाओं से अवगत कराया। साथ ही छात्र/छात्राओं को श्रम विभाग में अपने परिजनों एवं जानकार व्यक्ति जो कि श्रमिक है उनका श्रम पंजीकरण कराने हेतु जानकारी भी दिया गया। पंजीकृत श्रमिक के बच्चों को स्कूल, कॉलेज में मिलने वाले छात्रवृत्ति की जानकारी भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम का परिचालन जिला बाल संरक्षण इकाई के परामर्शदाता श्री जैनेन्द्र दुबे द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जिला बाल संरक्षण इकाई से पवन धीवर, चाईल्ड लाईन सूरजपुर से कार्तिक मजूमदार, रमेश साहू एवं महाविद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिका तथा छात्र, छात्राएं उपस्थित रहे।

शासकीय विद्यालय कन्दरई में ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के अन्तर्गत कार्यक्रम का किया गया आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कन्दरई की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के अन्तर्गत विद्यालय परिसर आदिम जाति सहकारी सेवा समिति परिसर,

क्षेत्र के अमृत सरोवरों सहित पोषण वाटिका तथा विभिन्न सार्वजनिक स्थलों वृहद रुप से पौधरोपण कार्यक्रम किया जा रहा है । कार्यक्रम अधिकारी राजीव कुमार सिंह के नेतृत्व में रासेयो इकाई द्वारा इस वष 551 पौधे रोपित कर उनकी सुरक्षा करने का लक्ष्य रखा गया है जिसमें पीपल के 51, नीम के 101, बरगद के 5, आम के 200 एवं शेष अन्य फलदार, छायादार व औषधीय पौधे रोपित किये जा रहे है। इसी क्रम में रासेयो स्वयंसेवकों द्वारा 25 जुलाई को स्थानीय जोगीमाड़ा मन्दिर परिसर व ग्राम पेन्डरखी के अमृत सरोवर में पीपल, नीम, बरगद,व बेल सहित अन्य पौधों का रोपण किया गया। ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से रासेयो इकाई द्वरा ऐसे 51 स्वयंसेवकों का चयन किया गया है जो आगामी 27 जुलाई को अपनी माताओं के साथ मिलकर पौधरोपण कर उनकी सुरक्षा का संकल्प लेगे। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी राजीव कुमार सिंह ने छात्र-छात्राओं सहित सभी लोगों से अधिक से अधिक पौधरोपण एवं उनकी सुरक्षा कर पर्यावरण संरक्षण एंव संवर्धन में अपना योगदान देने की अपील की। कार्यक्रम को सफल बनाने में सिकंदर, देवनंदन, दुजेन्द्र, जगदेव, आर्यन, जयनाथ, नीरज, कुसुम, राधो, गुलाबी, काजल, सुमेधा, पद्मावती, कवित्री, फूलबसिया, गीता, अनेश, सहित अन्य स्वयंसेवक सक्रिय रहे।

कृषि एवं संबद्ध विभागों की समीक्षा बैठक संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने आज कृषि एवं संबद्ध विभाग पशुपालन, मत्स्य पालन, उद्यानिकी एवं सहकारिता विभाग की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने जिले में वर्षा की स्थिति का जायजा लेते हुए मिट्टी परीक्षण, किसानों को खाद उर्वरक आपूर्ति, फसल बीमा योजना, अऋणी कृषकों की जानकारी, वनाधिकार पट्टा संबंधित जानकारी, पशु टीकाकरण, मत्स्य हैचरी की स्थिति, रेशम विभाग एवं उद्यानिकी विभाग की गतिविधि एवं उसके प्रगति की जानकारी के साथ अन्य जानकारियां भी प्राप्त की एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर सभी विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। बैठक में कृषि विभाग से संबंधित विभिन्न योजनाओं, समितियों में खाद फसल के लिये सहकारी समितियों में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक एवं बीज का की योजना प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि अंतर्गत ई-केवाईसी, आधार सभी हितग्राहियों को इसका अधिकतम लाभ सुनिश्चित कराने के लिए कहा कि इस योजना अंतर्गत सभी पात्र किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध अधिकारियों को दिये गये। कलेक्टर श्री व्यास ने कहा कि किसान क्रेडिट विस्तृत प्रचार प्रसार करने की बात कही गई। इसके साथ ही क्रेडिट कार्ड के दिए। इसके अलावा उन्होंने उद्यानिकी विभाग से फसल बीमा योजना के

बीज की उपलब्धता भंडारण वितरण की समीक्षा की गई। खरीफ भंडारण के लिये निर्देशित किया गया। इसके साथ ही कृषि विभाग सीडिंग एवं लैण्ड सीडिंग को समय सीमा में पूर्ण करने एवं योजनांतर्गत गया। उन्होंने किसान क्रेडिट कार्ड के संबंध में जानकारी लेते हुए कहा कराने की दिशा में युद्ध स्तर पर कार्य करने के निर्देश उपस्थित संबंधित कार्ड के लिए छुटे हुए लोग आवेदन कर सकें इसके लिए इसका लिए प्राप्त आवेदनों के प्रकरणों का निराकरण जल्द करने के निर्देश क्रियान्वयन, वृक्षारोपण, पोषणबाड़ी कार्यक्रम आदि के संबंध में जानकारी लेते हुए उचित दिशा निर्देश दिए। पशुपालन विभाग से पशु टीकाकरण, मोबाईल वेटनरी यूनिट, पशु स्वास्थ्य एवं पशुधन विकास को लेकर जानकारी प्राप्त की। साथ ही उनके द्वारा जिले में रेशम विकास की संभावनाएं एवं उसके विकास को लेकर रेशम विभाग के अधिकारियों से चर्चा की गई।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

खुद को पुलिस बताकर खुलवाया घर का दरवाजा फिर,मार दी युवक के गोली पुरानी थी रंजिश

क्यूँ न लिखूँ सच-सिकंदर राजा

उत्तर प्रदेश के जनपद मुरादाबाद के थाना कुंदरकी गांव नूरला में उस समय हड़कंप मच गया जब कुछ दबंगों ने एक युवक को

गोली मार दी जिसके चलते युवक गंभीर रूप से घायल हो गया दरअसल जानकारी देते हुए थाना कुंदरकी गांव नूरला वार्ड नंबर 4 के रहने वाले उबेस नाम के युवक ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि दबंग युवकों ने खुद को पुलिस बताकर पहले गेट का दरवाजा खुलवाया फिर गोली मार दी दरअसल युवक के हाथ में गोली लगी है जिसको उपचार के लिए मुरादाबाद के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है घायल युवक ने बताया कि अब से 6 महीने पहले भी उनके भाई के साथ भी इन लोगों ने मारपीट की थी घायल युवक ने बताया कि नसीम नंबरदार, तस्लीम कबरे, और फैसल नाम के दबंगों ने उन पर हमला किया है और गोली मारकर उन्हें घायल किया है फिलहाल घायल युवक ने मुरादाबाद पुलिस से दबंगो के खिलाफ शिकायत कर कार्रवाई की मांग कर न्याय की गुहार लगाई है

6 महीने पहले हुई शादी पत्नी ने सब्जी में मिला दिया जहरीला पदार्थ पति की हालत बिगड़ी

क्यूँ न लिखूँ सच-सिकंदर राजा

मुरादाबाद मझोला थाना क्षेत्र निवासी पीड़ित मारूफ का आरोप है कि उसकी पत्नी आसिया ने उसे सब्जी में कुछ जहरीला पदार्थ खिलाया है जिसके कारण उसकी हालत बिगड़ गई दरअसल पीड़ित मुरादाबाद के मंझोला थाना क्षेत्र जाहिद नगर करुला का रहने वाला है उसका आरोप है कि उसकी शादी चक्कर की मिलक स्थित आसिया नाम की महिला से 6 महीने पहले हुई थी आरोप है की शादी के बाद से लगातार उसकी पत्नी उसे परेशान करती आ रही है आरोप यह भी

है कि उसकी पत्नी उसके साथ मारपीट करती है पति का कहना है कि उसने अपनी पत्नी से सिर्फ इतना कहा कि घर के दरवाजे पर मत बैठाकर बस इसी बात से पत्नी नाराज हो गई और अपने पति को सब्जी में मिलाकर कुछ जहरीला पदार्थ खिला दिया जिसके चलते उसकी हालत बिगड़ गई फिलहाल पीड़ित को मुरादाबाद के जिला अस्पताल में भर्ती कराया है जहां डॉक्टरों द्वारा उसका उपचार किया जा रहा है वही इस मामले की शिकायत पीड़ित ने मंझोला पुलिस से की लेकिन मंझोला पुलिस ने उनकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की पीड़ित का कहना है कि अगर मुझे कुछ होता है तो इसकी जिम्मेदार पुलिस और मेरी पत्नी होगी

चरवाहे से मारपीट कर बकरा लूट ले गए अपाचे सवार बदमाश

क्यूँ न लिखूँ सच-लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ हरदुआगंज। थाना क्षेत्र में नहर की पटरी पर बकरा चरा रहे व्यक्ति से अपाचे बाइक सवार तीन बदमाश मारपीट कर बकरा लूट कर भाग गए। पीड़ित ने भाइयों की मदद से उनका पीछा किया लेकिन बदमाश भागने में सफल रहे। पीड़ित ने थाने में तहरीर दी है। बरकुला गांव के ओमप्रकाश बकरी पालन करते हैं। दोपहर में सात बकरे-बकरियों को गांव के निकट नहर की पटरी पर चरा रहा था। ओमप्रकाश ने बताया कि माछुआ पुल की ओर से अपाचे बाइक पर आए तीन युवक रुके और बकरा उठाने लगे। उन्हें रोक तो मारपीट कर नहर की पटरी पर रामघाट रोड की ओर भाग निकले। अपने भाइयों को बुलाकर क्वार्सी तक उनका पीछा किया। बदमाश जीवनगढ़ इलाके की ओर भीड़ में ओझल हो गए। पीड़ित ने शाम थाने में तहरीर दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। लेकिन अब तक मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। एसएचओ विपिन कुमार ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी नहीं है।

कोंच जालौन आर्थिक स्थिति से तंग आकर एक युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

क्यूँ न लिखूँ सच-पवन कुमार

कोंच जालौन कैलिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम देवगांव में बुधवार को एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली ग्रामीणों ने आनन फानन में लटके हुए आदमी को बचाने की कोशिश

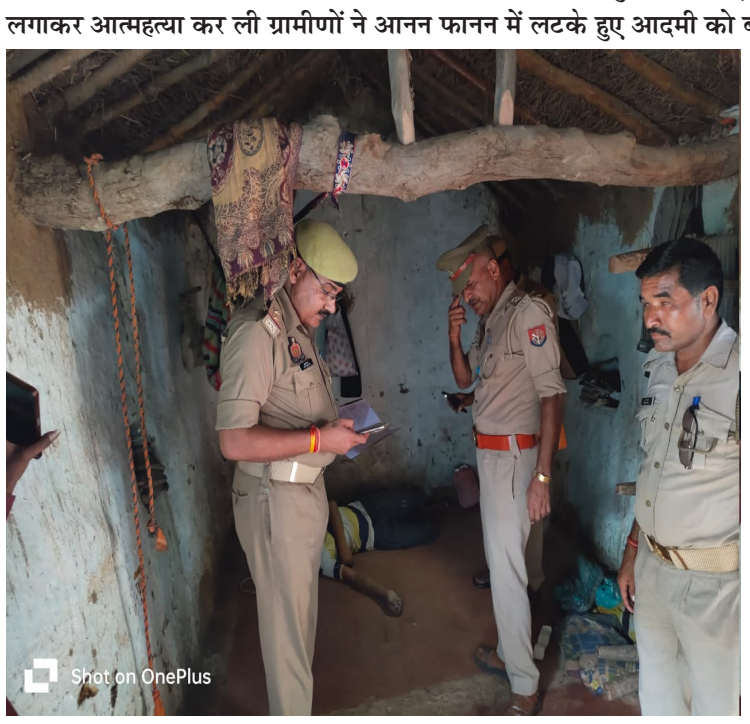

की लेकिन जब तक बहुत देर हो चुकी थी देवगांव निबासी 42 वर्षीय धर्मेंद्र प्रजापति पुत्र हरिराम उर्फ टुंडे प्रजापति का शव बुधवार को कच्चे घर में लगा बडेरा से लटकता हुआ मिला बताया जा रहा है धर्मेंद्र के पास 2 बीघा जमीन थी उसी से गुजारा करता था और घर पर धर्मेंद्र के अलावा परिवार का कोई भी व्यक्ति नही था जब उसकी सबसे छोटी लड़की घर पर आई तब लड़की ने देखा तो उसके होस उड़ गए और भागती हुई गई लोगो को बुलाया जब तक ग्रामीण आये तब तक बहुत देर हो चुकी थी उसके बाद कैलिया पुलिस को सूचना दी मौके पर तुरन्त कैलिया एसओ राजीव कुमार बैश व फोरेंशिक टीम अपने दल बल के साथ पहुंची लटके हुए शव को नीचे उतारा गया और शव को उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया है मृतक की पत्नी और परिवार बालो का रो रो कर बुरा हाल है उसके लड़के व पत्नी के द्वारा बताया गया कि धर्मेंद्र की आर्थिक स्थिति कमजोर थी गगरी घड़ा बनाकर भरण पोषण करता था उसके 5 बच्चे है 1 लड़की की शादी हो गई थी दूसरी लड़की की शादी करनी थी सबसे बड़ी लड़की का विवाह 5 साल पूर्व हो गया था दूसरी लड़की की शादी करनी थी आरती जिसकी उम्र 22 वर्ष है बताया गया लड़के का नाम देवेंद्र 18 वर्ष तीसरी लड़की का नाम भारती 14 वर्ष सबसे छोटे बच्चे का नाम राघवेंद्र 12 वर्ष बताया गया मृतक के शव को पंचायत नामा भर के पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है थाना प्रभारी का कहना है की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद जो भी तत्व सामने निकल कर आयेंगे उसी के आधार पर कार्यवाही की जायेंगी और हर पहलू पर जांच की जा रही है

खण्डेलवाल कालेज में लगा जॉब मेला

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।केसीएमटी के एम.बी.ए. विद्यार्थियों को अच्छे पैकेज के साथ मिली नौकरी खण्डेलवाल

कालेज में छात्र हित को ध्यान में रखकर गत वर्षों की भांति विभिन्न कम्पनियों को कैम्पस प्लेसमेंट हेतु आमंत्रित किया गया। वृहस्पतिवार को इंटरप्राइजेज की वर्चुअल ड्राइव का आयोजन किया गया ।जिसमें एमबीए फाइनल वर्ष के विद्यार्थी मोहित व अनिकेत की 4 लाख पैकेज पर नियुक्ति हुई है। इस मौके पर चेयरमैन गिरधर गोपाल ने कहा कि सभी चयनित विद्यार्थी कम्पनियों के उत्थान हेतु कठिन परिश्रम कर व्यवहार कुशल बनें तभी आप निरंतर सफल होकर तरक्की करेंगे और आपकी उन्नति संभव है। इस आयोजन प्रबन्ध निदेशक डॉ0 विनय खण्डेलवाल ने सभी चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। इस आयोजन में डॉ0 प्रबोध गौड़ का सहयोग रहा।

राजश्री कालेज में टेबलेट पाकर छात्र-छात्राओं ने जताई खुशी

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।राजश्री इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट एण्ड टेक्नोलॉजी में शासन द्वारा टैबलेट वितरण योजना के अन्तर्गत एम0बी0ए0, बी0 टेक0, फॉर्मेसी एवं पॉलीटेक्निक पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं को टैबलेट वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्थान के चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, सचिव राकेश चेयरपर्सन डॉक्टर प्रबन्ध निदेशक अग्रवाल ने मां प्रज्ज्वलन व कार्यक्रम का अतिथि संस्थान के अग्रवाल ने अपने समाज के प्रत्येक से सशक्त करने एवं छात्र-छात्राओं को मिलाकर चलने में यह योजना बहुत सहायक है। प्रबन्ध निदेशक रोहन बंसल ने बताया कि राजश्री संस्थान शासन द्वारा छात्र हित में लागू की गयी सभी योजनाओं का लाभ दिलाने में सदैव प्रयासरत रहा है। टेबलेट वितरण कार्यक्रम में चयनित राजश्री संस्थान के एम.बी.ए. के 120, बी.टेक 195 डी.फार्मा के 80 एवं पॉलीटैक्निक के 170 छात्र-छात्राओं को टेबलेट मिलते ही खुशी की लहर दौड़ गयी। इसके लिए उन्होंने संस्थान के अकादमिक एवं प्रशासनिक स्टाफ के प्रयासों की तारीफ की इस मौके डीन एकेडमिक्स प्रो. साकेत अग्रवाल, निदेशक शैक्षणिक प्रो. अनिल कुमार, निदेशक शोध एवं विकास प्रो. पंकज शर्मा, रजिस्ट्रार दुष्यन्त माहेश्वरी , प्राचार्य डॉ. सी.पी. गंगवार, डा. सुचेता, डा. अंकित अग्रवाल, डॉ. गुलशन कुमार, डॉ. राम गोपाल, जसप्रीत सिहं, अनामिका, बैशाली भारद्वाज एवं प्रमोद कुमार मौर्या का विशेष योगदान रहा।

कुमार अग्रवाल, वाइस मोनिका अग्रवाल, रोहन बंसल, ट्रस्टी नेहा सरस्वती का दीप माल्यार्पण कर शुभारंभ किया। मुख्य चेयरमैन राजेन्द्र कुमार सम्बोधन में कहा कि युवा को तकनीकि रूप सुदूर ग्रामीण क्षेत्र के समय के साथ कदम

शिक्षामित्रो ने समायोजन रद्द होने के विरोध मे मनाया काला दिवस, दिवंगत शिक्षामित्रो को दी श्रद्धांजलि

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। रिठौरा। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ के आह्वान पर गुरुवार को सेठ दामोदर स्वरूप पार्क मे समायोजन रद्द होने के विरोध मे धरना प्रदर्शन किया। उससे पहले स्कूलों मे काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य किया। शिक्षामित्रों ने सर्वोच्च न्यायालय की तरफ से समायोजन रद होने के सातवीं बरसी को काला दिवस मनाया। उसके बाद मृतक शिक्षामित्र को श्रद्धांजलि देते हुए दो मिनट का मौन रखा गया। शिक्षामित्र ने पैदल मार्च करते हुए कलेक्ट्रेट पर ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौपा। उसके बाद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय सिंह को भी मुख्यमंत्री से संबोधित ज्ञापन दिया। शिक्षामित्रो ने जान गवां चुके शिक्षामित्रों को श्रद्धांजलि अर्पित कर मौन धारण किया। सरकार से मांग किया कि शिक्षामित्रों की परेशानी को देखते हुए अति शीघ्र अन्य प्रदेशों की तरह स्थायी निराकरण करे। जिलाध्यक्ष कपिल यादव व ब्लॉक अध्यक्ष सर्वेश पटेल ने कहा कि मृतक शिक्षामित्र के परिवारों को आर्थिक सहायता देते हुए परिवार के सदस्य को उक्त पद पर समायोजित किया जाए। ब्लॉक संरक्षक अर्जुन सिंह ने कहा कि पीएफ व आयुष्मान योजना मे शामिल किया जाए। महिला शिक्षामित्रों ससुराल मे विवाह के बाद उनकी ससुराल मे जनपद मे भेजा जाए। मृतक शिक्षामित्र को सहायता राशि देते हुए उनके परिवार के एक सदस्य को नौकरी दी जाए। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष केपी सिंह, चरन सिंह, सरवन कुमार, उत्तम सिंह, राकेश यादव, गीतेश्वरी शर्मा, रेखा शर्मा, रेनू सक्सेना सहित सैकड़ो शिक्षामित्र शामिल रहे।।

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना,क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 927776991

संक्षिप्त समाचार

समाजपार्टी पार्टी मे पिछड़ो का सम्मान सुरक्षित है- राघवेंद्र सिंह भदोरिया

क्यूँ न लिखूँ सच-राजेंद्र विश्वकर्मा

कोंच(जालौन) समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद अखिलेश यादव ने उच्च सदन विधान परिषद उत्तर प्रदेश मे एम एल सी किरन पाल कश्यप को नियुक्त किये जाने पर समाज वादी पार्टी के नेताओ मे खुशी की लहर देखने को मिली है समाजवादी पार्टी से जुड़े नेता राघवेंद्र सिंह भदोरिया अमखेडा प्रति पाल सिंह गुर्जर बद्दु भैया मनीला सिंह रोली ममता सिंह कुशवाहा हाजी रहम इलाही कुरेशी अतीक अहमद शेखु राम शरण कुशवाहा संजीव कुमार तिवारी जिला सचिव राजेंद्र सिंह निरंजन राजू चमरसेना छात्र सभा के नेता मुलायम सिंह कुशवाहा छोटू टाइगर महंत कृष्ण पाल सिंह सतीश परिहार सामी राजू महाराज चांदनी अनंत पाल सिंह यादव एडवोकेट अनिल वेद शांतनु यादव कार्तिक पटेल योगेंद्र यादव अंडा इस्तखार अहमद गुड्डु मल्लू शाह उस्ताद नासिर बॉस तोफीक अंसारी नसीम निहारिया इस्लाम बाबा आदि नेताओ ने खुशी जताई है और इस निर्णय को अच्छा बताया है और कहा की लाल विहारी के विधान परिषद मे नेता प्रति पक्ष बनने से सरकार तक अपनी बात पहुँचाते रहेगे और कई मुद्दों पर सदन मे जबाब सबाल भी करेगे

अरूण कुमार एसडीओ,आविद हुसैन बने जेई रिठौरा,चार्ज संभाला

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। बिजली विभाग में बड़ा फेरबदल किया गया है।रिठौरा में तैनात एसडीओ विपुल शुक्ला को एकतानगर बरेली,जेई ब्रजपाल सिंह गौतम को किया गया है। लखनऊ से कुमार को आविद हुसैन गया है। दोनों चार्ज संभाल

सीतापुर स्थानांतरित उनके स्थान पर एसडीओ अरूण बहेड़ी से जेई को रिठौरा भेजा अधिकारियों ने लिया है। एसडीओ श्री कुमार ने बताया शासन की मंशानुरूप कार्य करना उनकी प्राथमिकता रहेगी।चेयरमैन प्रतिनिधि अमित गुप्ता, धनपाल सिंह, सभासद मनोज कश्यप, लोकेश गुप्ता, समाजसेवी दिनेश भास्कर,मयंक पाण्डेय, आदि ने दोनों अधिकारियों को विदाई तथा नवांगतुक अधिकारियों को चार्ज लेने पर बधाई दी है।

पत्नी की हत्या करने वाले आरोपी पति को थाना रमकोला पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर। ग्राम दुलदुली निवासी मिश्रीलाल पण्डो ने थाना रमकोला में सूचना दिया कि दिनांक 19.07.24 को अपने घर में खाना खाकर घर के सामने भिटका में अकेले बैठा था कि रात करीब 9 बजे इसका पुत्र बहादूर आकर बताया कि हीराचंद फोन कर बताया है राजनाथ से बताये है कि फौत कर गई है। 20.07.24 को अन्य के साथ से ग्राम घुरिया पहुंचे और देखे

कि मुझे जीजा मोबाईल फोन बहन शांती दिनांक अपने पुत्र व मोटर सायकल राजनाथ के घर घर के परछी में इसकी पुत्री का शव जमीन पर रखा हुआ था वहां पर गांव के तथा दुलदुली के बहुत लोग एकत्रित हुऐ थे जो मेरी भतीजी ने कम्बल को कमर तक हटाई तब देखा कि दोनों कान के पास चोट और खून निकला हुआ है। सूचना पर मर्ग कायम कर मौके पर जाकर शव का पंचनामा कर शव का पीएम कराया गया। पीएम रिपोर्ट में डॉक्टर के द्वारा मृतिका की मृत्यु का कारण हत्यात्मक प्रकृति का लेख किए जाने पर अपराध क्रमांक 12/24 धारा 103 बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। मामले की सूचना पर उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री एम.आर.आहिरे (भापुसे) ने मामले की बारीकी से विवेचना कर आरोपी को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व एसडीओपी प्रतापपुर अरूण नेताम के मार्गदर्शन में थाना रमकोला पुलिस के द्वारा विवेचना करते हुए राजनाथ पण्डो पिता रामप्रसाद पण्डो, उम्र 32 वर्ष ग्राम धुरिया, थाना रमकोला को पकड़ा। पूछताछ पर उसने बताया कि पत्नी शांती पण्डो गांव में घुमती फिरती रहती थी जिसे मना करने पर नहीं मानती थी जिससे नाराज होकर कुदारी (फावड़ा) से मारकर हत्या कर दिया। आरोपी के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त कुदारी (फावड़ा) जप्त कर आरोपी राजनाथ पण्डो को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी रमकोला प्रमोद किस्पोट्टा व उनकी टीम सक्रिय रही।

खेत से घर लौटते वक्त नदी में अचानक बढ़ा पानी, तीन भाइयों की डूबने से मौत, एक साथ लिपटे मिले शव

खेत पर मजदूरी करके लौट रहे गांव रफैतपुर निवासी तीन सगे भाई ओमप्रकाश सिंह (40), तेजपाल (25) और जयसिंह (21) पीली नदी में डूब गए। एकदूसरे को बचाने में तीनों की जान चली गई। करीब 8 घंटे बाद तीनों के शव एक साथ लिपटे हुए मिले। गांव रफैतपुर निवासी बिरेंद्र सिंह का खेत पीली नदी के पार है। गांव के ही ओमप्रकाश सिंह, तेजपाल व जयसिंह पुत्रगण बलबीर और जयपाल सिंह पुत्र हरकेश बुधवार सुबह छह बजे बिरेंद्र सिंह के साथ उनके गन्ने के खेत में निराई करने के लिए गए थे। सुबह जाते समय नदी में पानी नहीं था। मगर लौटते समय करीब 10 बजे नदी में पानी बढ़ गया।नदी के पानी से निकलने पर जयसिंह उसे बचाने का प्रयास किया तो वे भी डूब किसी तरह से बाहर आ गए। दोनों ने गांव ग्रामीणों को सूचना दी। सभी लोग एकत्र तलाश की। जानकारी मिलने पर जिलेभर और गांव मनोहरवाली के गोताखोर फैजान व इमरान तीनों की तलाश में जुटे। गोताखोरों की टीम को बुलाया गया। नदी में तीनों की तलाश में जुटी। आठ आगे नदी से निकाला गया।डूबते वक्त तीनों था पीली नदी में डूबे मृतक ओमप्रकाश दूसरे नंबर का भाई मलखान है। तेजपाल पांचवें नंबर का भाई था। ओमप्रकाश जब जयसिंह डूबने लगा तो ओमप्रकाश ने के प्रयास के चलते दोनों भाई ओमप्रकाश मिले तो तीनों लिपटे हुए थे। इसी स्थिति डूबे मृतक ओमप्रकाश अपने पांचों भाई

मलखान है। तेजपाल तीसरा, जय सिंह चौथे और दुष्यंत पांचवें नंबर का भाई था। ओमप्रकाश तैरना जानता था, बाकी दोनों भाई नहीं। जब जयसिंह डूबने लगा तो ओमप्रकाश ने उसे बचाने का प्रयास किया। बचाने के प्रयास के चलते दोनों भाई ओमप्रकाश से लिपट गए और बह गए। जब शव मिले तो तीनों लिपटे हुए थे। इसी स्थिति में तीनों की मृत्यु हो गई।परिवार को आर्थिक मदद दिलाने की मांग - ग्रामीण चन्द्रवीर, अजीत, सौरभ, विपिन, सुरेन्द्र व सत्यप्रकाश आदि का कहना है कि पीली नदी में डूबने वाले युवकों के परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। बड़ा भाई ओमप्रकाश विवाहित है और उसके तीन छोटे बच्चे भी है। वहीं अन्य दोनों भाई तेजपाल सिंह व जय सिंह अविवाहित है। तीनों भाई मजदूरी करके अपने परिवार का पालन करते है। तीन मौत के बाद पीड़ित परिवार के सामने आर्थिक संकट के साथ खाने पीने में भी परेशानी झेलनी होगी। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से आर्थिक मदद दिलाने की मांग की है। एक साथ लिपटे हुए थे तीनों भाई- पीली नदी में डूबे मृतक ओमप्रकाश अपने पांचों भाई में सबसे बड़ा था। दूसरे नंबर का भाई मलखान है। तेजपाल तीसरा, जय सिंह चौथे और दुष्यंत पांचवें नंबर का भाई था। ओमप्रकाश तैरना जानता था, बाकी दोनों भाई नहीं। जब जयसिंह डूबने लगा तो ओमप्रकाश ने उसे बचाने का प्रयास किया। बचाने के प्रयास के चलते दोनों भाई ओमप्रकाश से लिपट गए और बह गए। जब शव मिले तो तीनों लिपटे हुए थे। इसी स्थिति में तीनों की मृत्यु हो गई। समाधान कराया जाएगा- पीली नदी पर पुल निर्माण के बारे में मालूम किया जा रहा है। सिंचाई विभाग से संपर्क कर ग्रामीणों की समस्या का समाधान किया जाएगा। वहीं, पीड़ित परिवार को भी हरसंभव मदद कराने का प्रयास किया जाएगा। - रितु चौधरी, एसडीएम

समस्या हल हेतु कोतवाली प्रभारी को दिया पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच-पवन कुमार

कोंच(जालौन) ग्राम कुदरा खुर्द के किसान संदीप कुमार अभिषेक प्रताप शिव कुमार देव गुर्जर लायक सिंह मान्वेंद सिंह साहिल सिंह आदि ने कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक को पत्र देकर अवगत कराया है की ग्राम कुदरा खुर्द तहसील कोंच मे कुदरा माइनर का पानी का निकास नही पाता है क्यो

की पन्द्रह साल से नालो की सफाई नही हुई है जिस बजह से खेतो मे पानी भर जाता है पिछले साल खेतो मे बुबाई नही हो पायी खेत खाली रहे इस लिये गाँव वासियो ने जे ई साहब को नाला की सफाई हेतु कई बार प्रार्थना पत्र दिये जिसमे उन्होंने दो तीन बार जेसीबी खुदाई के लिये गाँव भेजी लेकिन गाँव के ही कुछ लोगो द्वारा खुदाई पर रोक लगा दी क्यों की मौके पर वाद विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गयी थी और शांति भंग होने की पूर्ण सम्भावना थी जिससे खुदाई नही हो पायी उन्होंने बताया है की अगर इससाल भी खेतो मे पानी भर जायेगा और किसानो को अत्याधिक नुक्सान होगा उन्होंने गाँव के नालो की खुदाई प्रशासन के सहयोग से कराई जावे

कोतवाली पुलिस ने तीन वारंटी गिरफ्तार किये

क्यूँ न लिखूँ सच-पवन कुमार

कोंच(जालौन) कोंच कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार राय के निर्देशन मे वारंटी पकड़ो

अभियान चलाया गया जिसमे कोतवाली पुलिस ने तीन वारण्टी गिरफ्तार किये गए है जिनमे संजय झां पुत्र शिवनाथ झां निवासी मोहल्ला पटेल नगर थाना कोंच जगदीश प्रसाद पुत्र चन्द्रभान निवासी मुहल्ला जवाहर नगर थाना कोंच हाल पता ग्राम पड़री थाना कोंच गनेश वर्मा पुत्र छोटेलाल वर्मा निवासी मुहल्ला भगत सिंह नगर थाना कोंच को गिरफ्तार विधिक कार्यवाही की गयी है

संविधान बदलने का इरादा इंडिया गठबंधन के नेताओं का था

क्यूँ न लिखूँ सच-लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ भाजपा किसान मोर्चा के कद्दावर नेता पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा शक्ति केंद्र प्रभारी सिधौली ठाकुर राकेश कुमार सिंह कहां है कि 10 विधानसभा के चुनाव में भाजपा 10 सीटों पर विजय हासिल करेगी क्षेत्र की जनता ने बीजेपी को पूरा वोट देने का जीतने का मन बना लिया है विरोधी दलों के नेताओं ने सन 2024 के लोकसभा के चुनाव में संविधान के ऊपर झूठ बोलकर बैंक बोट बटोरने की कोशिश की थी अब झूठ नहीं चलेगा नरेंद्र मोदी जी के शासन में भारत का संविधान बहुत मजबूत है संविधान को बदलने का कार्य इंडिया गठबंधन के नेताओं ने किया था उन्होंने मन बना लिया था अगर हम सरकार में आए तो संविधान बदलेंगे यह इंडिया गठबंधन के नेताओं की सोच थी लेकिन उसे सोच को जनता ने एक सिरे से खारिज कर दिया और उन्हें तीसरी बार नरेंद्र मोदी जी को जनता ने प्रधानमंत्री बनाया एनडीए भी मजबूत है भाजपा में मजबूत है

तहेरे भाई ने बनाए शारीरिक संबंध, भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच-लवकुश ठाकुर

अलीगढ़। बन्नादेवी थाना क्षेत्र के एक अपार्टमेंट में भाई-बहन का रिश्ता कलंकित करने वाली घटना सामने आई है। यहां मूकबधिर बहन से तहेरे भाई ने शारीरिक संबंध बना लिए। पिता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जेल रोड स्थित एक अपार्टमेंट निवासी युवक के परिवार में 18 वर्षीय बेटी मूकबधिर है। कारोबार में हाथ बंटाने के लिए छह साल पहले अपने भतीजे को घर पर रख लिया था। आरोप है कि भतीजे ने बेटी से शारीरिक संबंध बना लिए। दुष्कर्म का भी आरोप लगाया गया है। पिता की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

ग्रेटर नोएडा में सिक्वेंशियल बैच रिएक्टर टेक्नोलॉजी बेस्ड सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना करेगी सरकार

सीएम योगी के विजन अनुसार, सेक्टर-1 में 45 एमएलडी कैपेसिटी युक्त एसटीपी व वॉटर रीक्लेमेशन फैसिलिटी की स्थापना, संचालन व टेस्टिंग की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। 79.57 करोड़ रुपए की लागत से ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण होगा।उत्तर प्रदेश की प्रगति व उन्नति का मार्ग प्रशस्त कर उसे उत्तम प्रदेश बनाने की दिशा में प्रयासरत योगी सरकार ने ग्रेटर नोएडा में विकास को गति देने के लिए दो प्रमुख योजनाओं पर कार्य शुरू कर दिया है। ग्रेटर नोएडा में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना व संचालन के साथ ही गंगा जल प्रोजेक्ट से संबंधित परियोजनाओं को गति देने का कार्य शुरू हो गया है। सीएम योगी के विजन अनुसार, ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-1 में में %सिक्वेंशियल बैच रिएक्टर टेक्नोलॉजी% बेस्ड सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना किया जाना निर्धारित है। 79.57 करोड़ की लागत से बनने वाले 45 एमएलडी कैपेसिटी युक्त सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट व वॉटर रीक्लेमशन फैसिलिटी की स्थापना, संचालन व टेस्टिंग की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए एजेंसी निर्धारण व कार्यावंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसी प्रकार, 85 क्यूसेक कैपेसिटी वाले गंगा जल प्रोजेक्ट के अंतर्गत 3 जोनल रिजरवॉयर में इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल व अन्य सिविल वर्क्स को जल्द

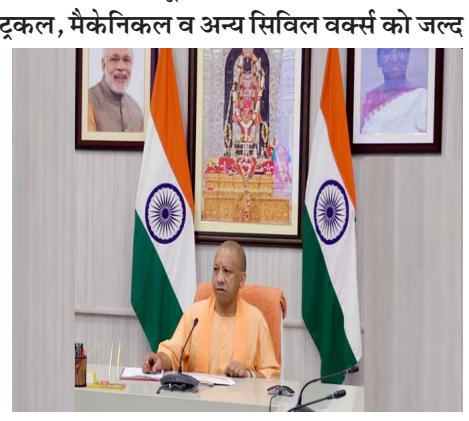

पूरा करने के लिए एजेंसी निर्धारण व कार्यावंटन की प्रक्रिया शुरू कर दिया गया है। इस कार्य में कुल मिलाकर 11.44 करोड़ रुपए का व्यय अनुमानित है। इन दोनों ही कार्यों को पूरा करने के लिए ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण की ओर से प्रक्रिया शुरू हो गई है और सभी कार्यों को पूरी गुणवत्ता के साथ जल्द से जल्द पूरा करने पर फोकस किया जा रहा है।एसबीआर टेक्नोलॉजी युक्त होगा एसटीपी, कई खूबियों से होगा लैस- ग्रेटर नोएडा के समेकित विकास के लिए सीएम योगी के विजन में तैयार की गई विस्तृत कार्ययोजना के अनुसार, ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-1 में 79.57 करोड़ रुपए की लागत से सिक्वेंशियल बैच रिएक्टर (एसबीआर) टेक्नोलॉजी युक्त सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का विकास किया जाएगा। यह 45 एमएलडी कैपेसिटी वाला एसटीपी होगा जिसे एजेंसी निर्धारण व कार्यावंटन के बाद 15 महीनों में पूरा किया जाएगा। वहीं, ऑपरेशन व मैनेजमेंट के लिए 120 महीनों की कार्यावधि निर्धारित की गई है।इस प्लांट के निर्माण को लेकर पहले एजेंसी द्वारा साइट एनवॉयरमेंट प्लान (एसईपी) तैयार किया जाएगा। सभी निर्माण कार्यों को पूरा करने के लिए विभिन्न मानकों का ध्यान रखा जाएगा जिसमें वायु प्रदूषण व ध्वनि प्रदूषण के स्तर को भी मॉनिटर करते हुए कम से कम रखा जाएगा। यह ट्रीटमेंट प्लांट वॉटर रीक्लेमेशन फैसिलिटी भी होगा। प्लांट के संचालन के लिए 3 महीने का ट्रायल पीरियड भी निर्धारित किया गया है जिसमें इसके संचालन के विभिन्न मानकों को मॉनिटर करते हुए क्रियान्वित किया जाएगा। इस दौरान, डिफेक्ट लाइबिलिटी पीरियड की समयावधि 12 महीने निर्धारित की गई है। प्लांट का डिस्पोजल चैनल हिंडन नदी के किनारे स्थित होगा। प्लांट को सौर ऊर्जा युक्त भी किया जाएगा और इसके हाइड्रोलिक पंपों का संचालन सौर ऊर्जा के जरिए किए जाने की योजना है। एक साथ कई प्रकार के अपशिष्टों का हो सकेगा निस्तारण- प्लांट में अपशिष्ट प्रबंधन के लिए सीवरेज आउटकम को गहरे गुरुत्वाकर्षण आउटफॉल सीवर द्वारा प्राप्त किया जाएगा, जो रॉ सीवेज को एक रिसीविंग चैंबर में डिस्चार्ज करेगा, जहां से इसे डाउनस्ट्रीम मोटे स्क्रीन में ले जाया जाएगा। सीवेज के साथ आने वाली सामग्रियों को हटाने के लिए उसे गीले कुएं के ऊपर मोटे स्क्रीन चैनल में छाना जाएगा। स्क्रीनिंग के बाद सीवेज वेट वेल में प्रवेश करेगा। प्लांट वेट वेल युक्त होगा जिसकी क्षमता औसत और पीक फ्लो स्थितियों के दौरान पर्याप्त हाइड्रोलिक प्रतिधारण करने की होगी। प्लांट में फ्लो मैनेजमेंट, इनलेट चैंबर, फाइन स्क्रीनिंग व डी-ग्रिटिंग व्यवस्था को भी पूर्ण किया जाएगा। प्लांट में उपचारित सीवेज में से बीओडी, सीओडी, निलंबित ठोस, नाइट्रोजन और फॉस्फोरस को हटाने तथा बायोलॉजिकल ऑर्गेनिक रिमूवल के लिए एसबीआर इकाइयों में डाला जाएगा। एसबीआर बेसिन को दो क्षेत्रों में विभाजित किया जाएगा, जोकि सिलेक्शन जोन व एरेशन जोन युक्त होंगे। एसबीआर एकल चरण में चक्रीय/बैच मोड में काम करेगा। यह जैविक कार्बनिक निष्कासन, नाइट्रीकरण, विनाइट्रीकरण और जैविक फॉस्फोरस निष्कासन करेगा और एक साथ अपशिष्ट स्थिरीकरण करने में सक्षम होगा। कार्यावंटन के बाद 12 महीने में गंगा जल प्रोजेक्ट के कार्य होंगे पूर्ण- ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा बनाई गई कार्ययोजना के अनुसार, गंगा जल प्रोजेक्ट को एजेंसी निर्धारण व कार्यावंटन के बाद 12 महीने की कार्यावधि में पूरा कर लिया जाएगा। परियोजना के अंतर्गत 85 क्यूसेक कैपेसिटी वाले गंगा जल प्रोजेक्ट में 3 जोनल रिजरवॉयर में इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, इंस्ट्रूमेंटल व अन्य सिविल वर्क्स को जल्द से जल्द पूरा करने पर फोकस किया जा रहा है। इसके अंतर्गत, विभिन्न प्रकार के इलेक्ट्रिकल इक्विप्मेंट इंस्टॉलेशन व फिटिंग वर्क्स, पाइपलाइन फिटिंग व इंस्टॉलेशन, फ्लोर माउंटेड क्लोरिनेशन सिस्टम, हाइपो क्लोराइड डोजिंग सिस्टम, मीटरिंग व डोजिंग पंप इंस्टॉलेशन समेत विभिन्न कार्यों को पूरा किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

रेलवे की अच्छी पहल: AI तकनीक से बेस किचन में बनेगा भोजन, शेफ ने कैप उतारी तो कैमरा करेगा अलर्ट

रेलवे ने एक अच्छी पहल की है। अब एआई तकनीक से रेलवे के बेस किचन में भोजन बनेगा। वाराणसी मंडल के तीन स्टेशन पर बेस किचन बने हैं। पीपीपी मॉडल पर नामी कैटरिंग कंपनी इसका संचालन करेगी।सफर के दौरान रेल यात्रियों को गुणवत्ता पूर्ण भोजन परोसे जाने के लिए रेलवे की ओर से बेस किचन तैयार किए जा रहे हैं। इन हाईटेक किचन में एआई तकनीक से भोजन पकाया जाएगा। किचन में अगर शेफ ने अपने सिर से कैप उतारी तो एआई कैमरा तुरंत अलर्ट करेगा। खाद्य सामग्रियों से लेकर थाली की पैकिंग तक एआई की निगरानी में होगी। पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल के तीन स्टेशन पर बेच किचन बने हैं। जल्द ही इसका संचालन पीपीपी मॉडल पर नामी कैटरर्स करेंगे। सफर के दौरान रेल यात्रियों को गुणवत्ता पूर्ण भोजन परोसे जाने के लिए रेलवे की ओर से बेस किचन तैयार किए जा रहे हैं। इन हाईटेक किचन में एआई तकनीक से भोजन पकाया जाएगा। किचन में अगर शेफ ने अपने सिर से कैप उतारी तो एआई कैमरा तुरंत अलर्ट करेगा। खाद्य सामग्रियों से लेकर थाली की पैकिंग तक एआई की निगरानी में होगी। पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल के तीन स्टेशन पर बेच किचन बने हैं। जल्द ही इसका संचालन पीपीपी मॉडल पर नामी कैटरर्स करेंगे।फिलहाल पीपीपी मॉडल पर देश की नामी कैटररिंग कंपनियों को इसके संचालन का जिम्मा सौंपा जाएगा। इसकी तैयारियां चल रही हैं। रेलवे की ओर से परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता को लेकर शिकायतें आती रहती हैं। अब एआई की निगरानी में भोजन बनाए जाने के बाद ये शिकायतें खत्म होंगी। भोजन तैयार करने के दौरान कहीं कोई गड़बड़ी होती तो एआई कैमरा अलर्ट करता रहेगा। रेलमंत्री ने प्रेसवार्ता में बताया कि महाकुंभ की तैयारियां चल रही हैं। उत्तर, पूर्वोत्तर और उत्तर मध्य रेलवे का ज्वाइंट कमांड बना है। भीड़ प्रबंधन से लेकर यात्री सुविधाओं पर पूरा जोर होगा। जिला प्रशासन के समन्वय से भीड़ के अनुसार स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। डीआरएम विनीत कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि महाकुंभ से पहले झूंसी-प्रयागराज के बीच रेलवे ओवरब्रिज बनकर तैयार हो जाएगा। दोहरीकरण और विद्युतीकरण पूरा होने पर ट्रेनों की आवाजाही शुरू हो जाएगी। इसके साथ ही झूंसी, प्रयागराज रामबाग रेलवे स्टेशनों की सुरक्षा ऑडिट भी कराई जा रही है। प्लेटफॉर्म और एफओबी चौड़े किए जा रहे हैं।

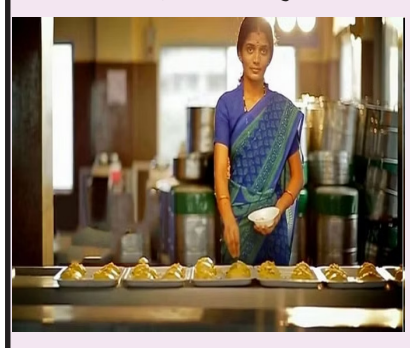

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले मंत्री संजय निषाद, बताई जा रही शिष्टाचार भेंट

लोकसभा चुनाव में यूपी में भाजपा की हार को लेकर मुख्यमंत्री योगी पर टिप्पणी करने वाले यूपी सरकार के मंत्री डॉ. संजय निषाद ने बृहस्पतिवार को सीएम योगी से मुलाकात की।यूपी सरकार में मंत्री डॉ. संजय निषाद ने बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की है। इस

मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया जा रहा है।यह भी कहा जा रहा है कि मुलाकात उपचुनाव की तैयारियों को लेकर हुई है।प्रदेश में 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव में भाजपा की जीत के लिए जिन मंत्रियों को प्रभार दिया गया है। उनमें डॉ. संजय निषाद भी हैं। बता दें कि लोकसभा चुनाव में हार के बाद जिन लोगों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर सवाल उठाए थे। उनमें से एक डॉ. संजय निषाद भी थे। उन्होंने कहा था कि बुलडोजर चलवाने की वजह से जनता ने वोट नहीं दिया। उपचुनाव में जीत के लिए सरकार ने हर सीट पर तीन-चार मंत्रियों एक-एक की टीम बनाकर उतारी है। इस प्रकार कुल 30 मंत्रियों के कंधों पर उपचुनाव जीतने की जिम्मेदारी है।

रिजिजू बोले- सार्थक चर्चा करे विपक्ष, मनीष तिवारी का पलटवार- आपकी सलाह की जरूरत नहीं

संसद के मानसून सत्र में पेश हुए बजट को लेकर विपक्ष की तरफ से आज भी जबरदस्त प्रदर्शन के आसार हैं। गौरतलब है कि आज बजट पर चर्चा का दूसरा दिन है। इसे लेकर सरकार पहले ही विपक्ष से सार्थक चर्चा की अपील कर चुका है। हालांकि, इंडिया गठबंधन के घटक दलों के सांसदों ने केंद्रीय बजट में विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों के साथ किए गए भेदभाव और अन्याय को लेकर संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया था। लोकसभा में अमृतपाल सिंह पर बोले कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी- पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने लोकसभा में वारिस पंजाब दे प्रमुख और खडूर साहिब लोकसभा सीट से निर्दलीय सांसद अमृतपाल सिंह पर बात की। उन्होंने कहा, वे हर दिन आपातकाल की बात करते हैं। लेकिन आज देश में अघोषित आपातकाल है, उसका क्या? यह भी आपातकाल है कि पंजाब में बीस लाख लोगों द्वारा सांसद के रूप में चुने गए एक व्यक्ति को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत सलाखों के पीछे रखा गया है। वह यहां अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के विचार पेश करने में असमर्थ हैं। यह भी आपातकाल है।माकपा और कांग्रेस की तरह शून्य पर सिमट जाएगी भाजपा- सुदीप बंद्योपाध्याय- तृणमूल कांग्रेस के सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय ने कहा, बंगाल कभी नहीं बटेगा। सुकांत मजूमदार ने उत्तर बंगाल की मांग उठाई है। लेकिन उन्हें याद रखने की जरूरत है कि बंगाल के लोग ऐसी मांगों का समर्थन नहीं करेंगे। अगर वह इसी तरह बात करते रहे तो जैसे माकपा और कांग्रेस शून्य पर सिमट गए थे, वैसे ही 2026 में भाजपा भी शून्य पर सिमट जाएगा। उन्होंने कहा, ममता बनर्जी आज दिल्ली आ रही हैं और पार्टी सांसदों से मुलाकात करेंगे। बजट में बिहार को बहुत कुछ नहीं दिया- शत्रुघ्न सिन्हा- तृणमूल कांग्रेस के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा, भाजपा जो कहती है, वह करती नहीं। आपने देखा होगा कि उन्होंने चुनाव से पहले और चुनाव के दौरान क्या-क्या वादे नहीं किए। उनके पास न तो इरादा है और न ही अपने वादों को पूरा करने की क्षमता है। उन्होंने बिहार को बहुत कुछ ज्यादा नहीं दिया है।(तृणमूल सांसद) अभिषेक बनर्जी कल एक रोल मॉडल के रूप में आगे आए और अपनी व पार्टी की बातों को आगे रखा।जनादेश का सम्मान नहीं कर रही भाजपा- कार्ति चिदंबरम- कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा, मुझे लगता है कि भाजपा जनादेश के बारे में गुमराह कर रही है। जनादेश भाजपा के लिए खुली छूट देने के लिए नहीं है। जनादेश आम सहमति से सरकार चलाने के लिए और भाजपा इसका सम्मान नहीं कर रही है। उन्होंने कहा, भाजपा के पास अपने दम पर बहुमत नहीं है। वह दो राजनीतिक दलों पर निर्भर है, जिन्होंने इस बजट में अपनी मांग रखी है। गठबंधन सहयोगियों को संतुष्ट करने के लिए दिया गया पैकेज- शशि थरूर- कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा, स्वास्थ्य और शिक्षा मंत्रालयों का बजट कम कर दिया गया है। इसलिए मैंने उनसे इसका कारण पूछा। इसमें कोई राजनीति नहीं है। दो राज्यों के अपने गठबंधन सहयोगियों को संतुष्ट करने के लिए उनके अनुकूल व्यवहार किया गया है। हमें इसका विरोध करने का अधिकार है। मैं बिहार के लोगों के लिए खुश हूं कि उन्हें पैकेज मिला है। यह बहुत बड़ी बात है। कांग्रेस के तीन और द्रमुक के एक मुख्यमंत्री ने कहा कि वे नीति आयोग की बैठक में शामिल नहीं होंगे,क्योंकि बजट में उनके राज्यों के लिए कुछ भी नहीं है। शायद (पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री) ममता बनर्जी के पास एक मुद्दा है, जिस पर वह चर्चा करना चाहती हैं। समाजवादी पार्टी (एसपी) की सांसद डिंपल यादव ने कहा, राजनीति और बजट एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। अगर राजनीति नहीं होती तो आंध्र प्रदेश और बिहार को विशेष पैकेज नहीं दिया जाता। उत्तर प्रदेश ने भाजपा को लगातार इतनी सीटें दी हैं। इतिहास में कभी किसी पार्टी ने इतनी सीटें नहीं जीतीं। केंद्र की निधि से यूपी को विशेष पैकेज दिया जाना चाहिए था।卐कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा, विपक्ष को (केंद्रीय मंत्री) रिजिजू की सलाह की जरूरत नहीं है कि उन्हें किन मुद्दों पर बात करनी है। अगर सरकार को किसानों और आदिवासियों की इतनी चिंता है तो किसान 2020 से सड़कों पर क्यों बैठे हैं? सरकार ने किसानों के लिए कुछ क्यों नहीं किया? ऐसा क्यों है कि देशभर में इतने सारे आदिवासी आंदोलन चल रहे हैं? यह सरकार की जिम्मेदारी है कि इन मुद्दों को तत्काल संबोधित करे। इसलिए विपक्ष को सलाह देने के बजाय रिजिजू को अपे खुद के मंत्रिमंडल के सहयोगियों को सलाह देने की जरूरत है। कांग्रेस सांसद शशि थरुर ने कहा, जब हम (विपक्ष) बजट पर भाषण देंगे तो हमारी जो समीक्षा है हम उसे संसद में मंत्रियों को बताएंगे ताकि वे जवाब दें। कल मैंने पूछा कि स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में क्या दिया गया है और क्या नहीं दिया गया है? क्योंकि इन दोनों ही मंत्रालयों का बजट कम हो चुका है। हमें ऐसा लगा कि दो राज्यों को प्राथमिकता दी गई है क्योंकि ये दो राज्य उनके गठबंधन के साथी हैं। इस पर बोलना हमारा फर्ज है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के बयान पर कांग्रेस सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा, प्रधानमंत्री का ही बजट है, उन्हीं का कैबिनेट है तो जिम्मेदारी उन्हीं की है। स्वाभाविक रूप से उन्हें विपक्ष घेरेगा। प्रमुख विपक्षी पार्टी होने के नाते हम आवाज तो उठाएंगे।केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने कहा, संसदीय कार्य मंत्री ने जो भी कहा है हम उनके साथ खड़े हैं। विपक्ष इसे सकारात्मक तरीके से ले, मुझे खुशी है कि सदन इस बार चल रहा है। एक अच्छी शुरूआत हुई है।

Paris Olympics 2024: 40 women in the team of 117 Indian players, these names are included including PV Sindhu

Know about the women athletes included in the Indian team of 117 players going to Paris Olympics. Here is the list of Indian women players participating in Paris Olympics. Paris Olympics 2024 is about to start. Indian players have started reaching Paris to participate in the Olympics. This time a team of 117 athletes is going to Paris from India. This team includes about 40 women players. Which includes top athletes like Mirabai Chanu to PV Sindhu, while there is also the youngest player like Dhinidh Desinghu, who is just 14 years old. Let us know about the women athletes included in the Indian team of 117 players going to Paris Olympics. Here is the list of Indian women players participating in Paris Olympics. List of women players included in Olympics 2024- V Sindhu - Badminton (Women's Singles) Ashwini Ponnappa - Badminton (Women's Doubles) Tanisha Crasto- Badminton (Women's Doubles) Mirabai Chanu - Weightlifting (Women's 49 kg) Nikhat Zareen- Boxing (Women's 50 kg) Preeti Pawar- Boxing (Women's 54 kg) Jasmine Lamboria- Boxing (Women's 57 kg) Lovlina Borgohain - Boxing (Women's 70 kg) Vinesh Phogat - Wrestling (Women's 50 kg) Ritika Hooda- Wrestling (Women's 76 kg) Nisha Dahiya Wrestling (Women's 68 kg) Antim Panghal - Wrestling (Women's 53 kg) Anshu Malik - Wrestling (Women's 57 kg) Deepika Kumari- Archery (Women's Individual, Women's Team) Bhajan Kaur- Archery (Women's Individual, Team) Rajeshwari Kumari- Shooting (Women's Trap) Shreyasi Singh - Shooting (Women's Trap) Rhythm Sangwan- Shooting (Women's 10m Air Pistol, 10m Air Pistol Mixed Team) Manu Bhaker- Shooting (Women's 10m Air Pistol, 10m Air Pistol Mixed Team, Women's 25m Pistol) Esha Singh- Shooting (Women's 25m Pistol) Maheshwari Chauhan- Shooting (Women's Skeet and Skeet Mixed Team) Raiza Dhillon- Shooting (Women's Skeet) Anjum Moudgil- Shooting (Women's 50m Rifle 3 Positions) Sift Kaur Samra- Shooting (Women's 50m Rifle 3 Positions) Elavenil Valarivan- Shooting (Women's 10m Air Rifle, 10m Air Rifle Mixed Team) Ramita Jindal- Shooting (Women's 10m Air Rifle, 10m Air Rifle Mixed Team) Sreeja Akula- Table Tennis (Women's Singles) Archana Kamath- Table Tennis (Women's Team)Manika Batra- Table Tennis (Women's Singles, Team) Aditi Ashok-Golf (Women's Individual) Diksha Dagar- Golf (Women's Individual) Dhinidhi Desinghu- Swimming (Women's 200m Freestyle) Netra Kumanan- Sailing (Women's One Person Dinghy) Kiran Pahal-Athletics (Women's 400m, 4X400m Relay) Vithya Ramaraj- Athletics (Women's 4X400m Relay) Subha Venkatesan-Athletics (Women's 4X400m Relay) Poovamma MR-Athletics (Women's 4X400m Relay) Prachi-Athletics (Women's 4X400m Relay) Prachi Choudhary Kaliyar Athletics (Reserve) Tulika Mann- Judo (Women's +78kg)

Tadasana Benefits: For these five reasons, you should practice Tadasana daily, know the benefits

Yoga is an effective activity for the health of all the internal and external organs of the body. Regular yoga practice not only keeps physical health better, but also keeps mental health healthy. Different asanas and pranayama are beneficial for the health of different parts of the body. There are some yogas, which provide many health benefits just by practicing them. One of these is Tadasana. Regular practice of Tadasana can provide not one but many health benefits. Here are ten reasons why you would want to practice Tadasana daily. Posture and keeping the spine straight - Tadasana is a powerful asana, which helps in correcting wrong posture and spinal disorders. This asana encourages spinal curves and strengthens the core muscles. Regular practice of Tadasana can reduce back pain, neck tension and other problems associated with poor posture. Balance and stability- Maintaining the Tadasana position requires balance and body awareness. As your feet are firmly planted on the ground and your muscles are stretched, this improves the body's ability to feel stable and movement. This asana is very beneficial for older people or those who suffer from balance problems. Increased respiratory capacity- While doing Tadasana, the chest is open and the spine is long. This position allows breathing. This asana encourages deep breathing, which can increase lung capacity and oxygen intake. This asana helps in reducing conditions like asthma, bronchitis and other respiratory problems. Increased circulation and metabolism- The action of Tadasana leads to better blood flow throughout the body. Improved circulation ensures that vital organs and tissues are supplied with adequate oxygen and nutrients. Additionally, the slight muscle contractions during the pose may boost metabolism, aiding in weight control and improving metabolic health.

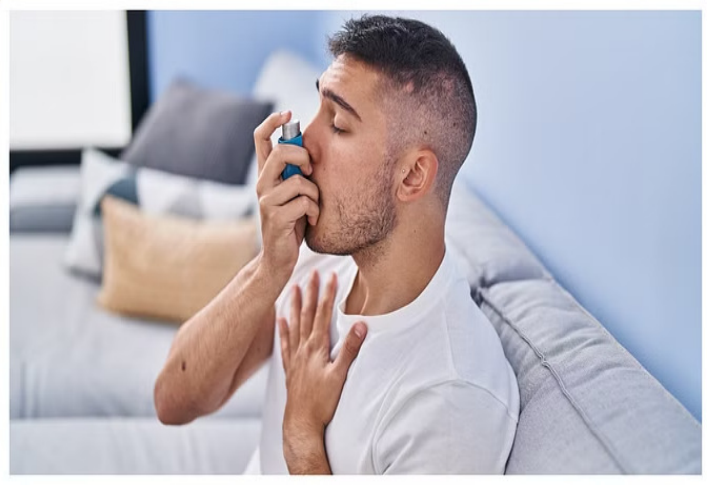

Men's Grooming Tips: These 5 tips are for men, follow them to look handsome

The way women take special care of everything from their outfits to skin care, no man can take care of himself in that way. Due to which many times the look of men starts looking bad. Especially for men who do jobs, it becomes very important for them to take care of their look. If you are also one of those people who do not take care of their grooming at all, then you need to think. To know everyone's personality, their clothes and look are seen first. In such a situation, you should also take care of your grooming. Here we are going to tell you about five such grooming tips, by adopting which you can easily change your entire look. These tips are quite easy to follow, so let us tell you about it. Lip balm is important - Often boys think that girls apply lip balm, it looks strange on boys. Whereas it is not so. Men should also use lip balm several times a day. This will help hydrate your lips. Dry lips can spoil your look. In such a situation, use lip balm repeatedly. The right face wash is important - Most boys use any face wash. Whereas this is wrong. Face wash should always be bought keeping in mind the skin type. If you use any such face wash, then it can cause many problems on your skin. In such a situation, use the right face wash to clean the dirt on your face. Hair and beard should be set - If your beard and hair are not set, then it can spoil your entire look. In such a situation, always get your hair cut from time to time. Apart from this, if you keep a beard, then get it set every week. If it is not set properly, then it can make you look strange. Use sunscreen - If you want that tanning is not visible on your body, then use sunscreen. Most boys forget to use sunscreen. Do not repeat this mistake. Use sunscreen several times a day. Do apply perfume- Boys sweat a lot. In such a situation, they always use perfume with strong fragrance. While applying perfume, keep in mind that it should not be so heavy that it causes trouble to the people around you. A perfume with a subtle fragrance will also be liked by the people around you.

Amitabh Bachchan: Director Mehul Kumar made a revelation, said- Amitabh will not work with Nana Patekar in 'Kohram'.

Amitabh Bachchan and Nana Patekar were seen in Kohram. This film was also directed by Mehul Kumar. Mehul says, 'When he approached Amitabh Bachchan with the offer of

Kohram, Amitabh was a little confused. Perhaps he had heard about Nana Patekar's nature'. In 1992, Bollywood's Shahenshah Amitabh Bachchan took a short break from films. After this break, he returned to Hindi cinema with the 1997 film Mrityudaata. This film was directed by filmmaker Mehul Kumar. Recently, during a conversation, Mehul Kumar was seen remembering the old days. Apart from Amitabh, he also shared his experiences of working with Nana Patekar with his fans. Amitabh liked the script of 'Mrityudaata' - Mehul Kumar has given many great films to the film industry. He has also worked with Amitabh Bachchan. Remembering the old days, Mehul Kumar says, 'When I approached Amitabh Bachchan with the script of Mrityudaata, he immediately said yes to that film. He liked the story of the film very much. This film also gave Bollywood Punjabi singer Daler Mehndi. People still remember the song sung by him in that film'. Daler Mehndi did not believe it - Mehul Kumar continues his talk and says, 'When I called Daler Mehndi, at first he did not believe that he would sing for Amitabh Bachchan and also appear in the music video of the song. He told me that he could not believe it and he refused to take even a penny for the song. That song of the film became a huge hit'. Amitabh was in a dilemma about working with Nana - Amitabh Bachchan and Nana Patekar were seen in Kohraam. This film was also directed by Mehul Kumar. Mehul says, 'When he approached Amitabh Bachchan with the offer of Kohraam, Amitabh was a little in a dilemma. Perhaps he had heard about Nana Patekar's nature. I assured him that he would get full respect on the set and I had done films with Nana. I knew that no such problem would arise and that is exactly what happened. The film was shot very smoothly.

'Lawrence Bishnoi gang tried to kill me', said Salman Khan in the firing case

The statement given by actor Salman to the police in the case of firing outside his house has now come to the fore. According to the actor, the Lawrence Bishnoi gang had fired at his house with the intention of killing him and his family. Two people created a sensation by firing outside the house of Bollywood actor Salman Khan. Now the actor's statement has come to the fore on this incident of April 14. Salman has told the police that he believes that the Lawrence Bishnoi gang had fired at his house.

The purpose behind this was to kill him and his family members. Salman's statement came to the fore - The actor's statement is part of the charge sheet filed by the Mumbai Police in the court in connection with this incident. Salman told the police that on the morning of April 14, when he was sleeping in his house at Galaxy Apartment, he heard a sound like a firecracker. He said that the police deployed in his security informed him at around 4.55 am that two men on a motorcycle had opened fire on the balcony of the first floor. Attempts have also been made to enter the farmhouse - Salman said in his statement that attempts had been made to hurt him and his family earlier as well. He said that his bodyguard has lodged a complaint regarding the firing at the Bandra police station. The actor told that in January 2024, two unidentified persons had tried to forcibly enter his farmhouse near Panvel using fake identity. Earlier this month, the police had filed a 1,735-page charge sheet in the firing case before the Special Court for Maharashtra Organized Crime Control Act cases. Taking cognizance of this, the court considered it sufficient to proceed with the case. The accused are in judicial custody - Vicky Kumar Gupta, Sagar Kumar Pal, Sonu Kumar Bishnoi, Anuj Kumar Thapan (late), Mohammad Rafiq Chaudhary and Harpal Singh were arrested in this case. Thapan allegedly committed suicide in police custody after his arrest. The other five are currently in judicial custody.

Stree 2 Song Out: 'Stree 2' song 'Aaj Ki Raat' released, Tamannaah Bhatia wreaks havoc with her style

The audience is eagerly waiting for 'Stree 2'. This year has not been that good for Bollywood films so far. In such a situation, it is expected that this film can end the box office drought. The trailer of this horror-comedy film was released recently, which made it clear that the audience is going to get a lot of entertainment in the film. Now a new information related to this film has come to light. In the film 'Stree', the people of Chanderi had to face Stree, but this time a new trouble has come in the form of Sarkate. Overall, the trailer of the film was successful in increasing the enthusiasm of the film among the audience. Now the makers have also released a song from the film, in which Tamannaah Bhatia is seen wreaking havoc. The title of the song is Aaj Ki Raat. Tamannaah looks very beautiful in this song. All the main actors of the original film are going to be seen repeating their roles in 'Stree 2'. These include Rajkumar Rao, Shraddha Kapoor, Pankaj Tripathi, Aparshakti Khurana and Abhishek Banerjee. This time a new trouble is after them in the form of Sarkate, from which the whole village is looking for a way to escape. It is told in the trailer that Sarkate had killed the prostitute and made her a woman. Recently, Shraddha Kapoor shared a post and informed about the trailer launch. While sharing the trailer, she wrote, 'Here is the trailer! India's most awaited gang is back to fight the new terror of Chanderi! Get ready to watch this year's biggest horror comedy film'. Let us tell you that this film will be released on 15 August. Let us tell you that 'Stree' was released in the year 2018. This film was directed by Amar Kaushik. The film was produced by Dinesh Vijan and Raj & DK together. Rajkumar Rao, Shraddha Kapoor, Pankaj Tripathi, Abhishek Banerjee, Aparshakti Khurana were seen in lead roles in the film. This horror-comedy was well liked by the audience. According to media reports, the film made in 25 crores did a business of Rs 180 crores.